वर्ष-3, अंक-38
इन्दौर, मंगलवार
8 अप्रैल 2025
पृष्ठ 8, मूल्य 3 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761
DAVP 133088/20/02/2020

चाणक्य नीति

'जो धैर्यवान नहीं है उसका न वर्तमान और न ही भविष्य'
मुझे वह दौलत नहीं चाहिए जिसके लिए कठोर यातना सहनी पड़े, या सदाचार करना पड़े, या अपने शत्रु की चापलूसी करनी पड़े।

-चाणक्य

प्रधान संपादक: सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

शेयर बाजार में हाहाकार

सेंसेक्स 3939 अंक गिरकर 1712 अंक संभला:73,137 पर बंद हुआ, निफ्टी 3.24% गिरा

मुंबई (एजेंसी)। शेयर बाजार में आज यानी सोमवार 7 अप्रैल को साल की दूसरी बड़ी गिरावट आई। सेंसेक्स 2226 अंक (2.95%) गिरकर 73,137 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 742 अंक (3.24%) की गिरावट रही, ये 22,161 के स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले 4 जून 2024 को बाजार 5.74% गिरा था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 29 में गिरावट रही। टाटा स्टील, टाटा मोटर्स और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर में 7% तक गिरावट रही। जोमैटो का शेयर 0.17% ऊपर बंद हुआ। NSE के सेक्टोरल इंडेक्स में निफ्टी मेटल सबसे ज्यादा 6.75% गिरा। रियल्टी में 5.69% गिरावट रही। ऑटो, फार्मा, सरकारी बैंक, ऑयल एंड गैस और आईटी सेक्टर 4% नीचे बंद हुए। 2 अप्रैल से अब तक कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) के दाम 12.11% घट चुके हैं। वहीं आज ब्रेंट क्रूड 4% टूटकर 64 डॉलर के नीचे फिसल चुका है। ये बीते 4 साल का निचला स्तर है।

बाजार में गिरावट की 3 वजह

ट्रम्प का रेसिप्रोकल टैरिफ: अमेरिका ने भारत पर 26% टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। भारत के अलावा चीन पर 34%, यूरोपीय यूनियन पर 20%, साउथ कोरिया पर 25%, जापान पर 24%, वियतनाम पर 46% और ताइवान पर 32% टैरिफ लगेगा।

चीन ने जवाबी 34% टैरिफ लगाया

चीन ने शुक्रवार को अमेरिका पर 34% जवाबी टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। नया टैरिफ 10 अप्रैल से लागू होगा। 3 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने दुनियाभर में जैसे को तैसा टैरिफ लगाया था। इसमें चीन पर 34% अतिरिक्त टैरिफ लगाया गया था। अब चीन ने उतना ही टैरिफ अमेरिका पर लगा दिया है।

इकोनॉमिक स्लोडाउन की चिंता

टैरिफ से सामान महंगा होने पर लोग कम खरीदारी करेंगे, जिससे अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी हो सकती है। साथ ही, मांग कम होने से कच्चे तेल की कीमतें भी गिरी हैं। ये कमजोर इकोनॉमिक एक्टिविटी का संकेत है। इससे निवेशकों का भरोसा डगमगाया है।

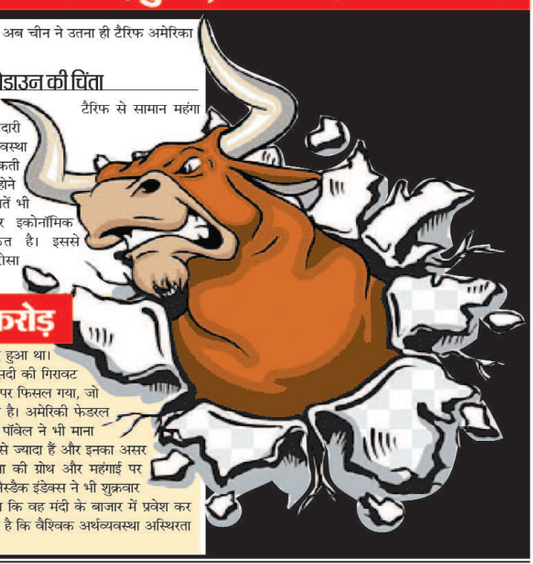

ट्रंप के टैरिफ से थर्राया बाजार, निवेशकों के 10 मिनट में डूबे 18 लाख करोड़

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए नए टैरिफ के कारण वैश्विक स्तर पर ट्रेड वॉर की आशंकाएं और गहरा गई हैं। इसके चलते न केवल अमेरिका बल्कि एशिया सहित कई अन्य देशों के शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। इस आर्थिक तनाव की सीधी मार भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ी, जहां सोमवार को बाजार खुलते ही जबरदस्त गिरावट देखी गई। बाजार के सभी 13 प्रमुख सेक्टर लाल निशान में खुले, जिससे निवेशकों में घबराहट फैल गई। आईटी कंपनियों के शेयरों में 7 फीसदी तक की गिरावट आई, क्योंकि इन कंपनियों की आमदनी का बड़ा हिस्सा अमेरिका से आता है। स्मॉल कैप और मिड कैप शेयरों में भी क्रमशः 6.2 फीसदी और 4.6फीसदी की गिरावट देखी गई, जिससे बाजार में व्यापक नुकसान हुआ। इस गिरावट से निवेशकों को बड़ा झटका लगा। सोमवार को बाजार खुलने के महज 10 मिनट के भीतर बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप 404 लाख करोड़ रुपये से घटकर 386 लाख करोड़ रुपये रह गया। इसका मतलब है कि केवल 10 मिनट में निवेशकों की संपत्ति 18 लाख करोड़ तक घट गई। इस भारी गिरावट को 'ब्लैक मंडे' कहा जा रहा है, जिसमें कई दिग्गज कंपनियों के स्टॉक्स एक साथ 10 फीसदी तक गिर गए। इसमें टाटा समूह के दो बड़े स्टॉक्स भी शामिल हैं। गिरावट का सबसे अधिक प्रभाव आईटी और मेटल सेक्टर पर पड़ा। निफ्टी आईटी इंडेक्स 5 फीसदी की गिरावट के साथ 31,307 पर खुला, जबकि शुक्रवार को यह 33,511 पर बंद हुआ था। वहीं मेटल इंडेक्स 6 फीसदी की गिरावट के साथ 7,691 के स्तर पर फिसल गया, जो इसका नया 52 वीक लो है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने भी माना कि ट्रंप के टैरिफ उम्मीद से ज्यादा हैं और इनका असर अमेरिका की अर्थव्यवस्था की ग्रोथ और महंगाई पर गहराई से पड़ सकता है। नैस्डैक इंडेक्स ने भी शुक्रवार को यह स्पष्ट कर दिया था कि वह मंदी के बाजार में प्रवेश कर चुका है। ऐसे में यह साफ है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्थिरता की ओर बढ़ रही है।

आसाराम को फिर अंतरिम जमानत

जोधपुर (एजेंसी)। जोधपुर के आश्रम में नाबालिग से रेप के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम को गुजरात के बाद अब राजस्थान हाईकोर्ट से भी राहत मिली है। कोर्ट ने उसकी अंतरिम जमानत 1 जुलाई तक बढ़ा दी है। हाईकोर्ट ने आसाराम को सुप्रीम कोर्ट की ओर से पूर्व में जारी शर्तों का पालन करने के लिए कहा है। जस्टिस दिनेश मेहता और जस्टिस विनीत कुमार की खंडपीठ ने सोमवार को सुनवाई हुई। आसाराम 14 जनवरी से 31 मार्च तक अंतरिम जमानत पर था। ये पीरियड खत्म होने पर 1 अप्रैल को आसाराम ने सरेंडर कर दिया था। उसी रात वह प्राइवेट अस्पताल में भर्ती हो गया था और अभी भी वहीं पर भर्ती है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 35 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.79 पर बंद हुआ। रुपये में ये गिरावट वैश्विक व्यापार युद्ध की संभावना की वजह से आई। शुरुआती कारोबार में रुपया 19 पैसे फिसलकर 85.63 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक बिकवाली के अनुरूप विदेशी पूंजी की लगातार निकासी के बीच कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट और कमजोर अमेरिकी मुद्रा रुपये को समर्थन देने में विफल रही।

पेट्रोल और डीजल पर 2 रुपये एक्साइज बढ़ी, लेकिन आपकी जेब नहीं कटेगी

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 2 रुपये का इजाफ किया है। मोदी सरकार ने भले ही पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी बढ़ा दी है। लेकिन इससे आपकी जेब नहीं कटेगी। सूत्रों के मुताबिक बढ़ी हुई एक्साइज ड्यूटी का बोझ ऑयल कंपनियां उठाएगी। मोदी सरकार ने बीते साल आम चुनाव से ठीक पहले 14 मार्च को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की कमी की थी। वित्त मंत्रालय ने नोटिफिकेशन जारी किया है। इसके अनुसार पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी अब 13 प्रति लीटर हो गई है। वहींए डीजल पर यह ड्यूटी 10 प्रति लीटर हो गई है।

हवाई हमलों में गाजा में 44 फिलिस्तीनियों की मौत

यरूशलम/गाजा, (एजेंसी)। इस्राइल के रॉकेट हमलों के जवाब में किये गये इजरायली हवाई हमलों में गाजा पट्टी में 44 फिलिस्तीनियों की मौत हो गयी। गाजा की नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने सोमवार को यह जानकारी दी। फिलिस्तीनी अधिकारियों ने बताया कि कब्जे वाले पश्चिमी तट पर संघर्ष के दौरान इजरायली सेना ने एक 14 वर्षीय फिलिस्तीनी मूल के अमेरिकी किशोर को गोली मार दी।

पाकिस्तान में सड़क दुर्घटना में 11 की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्वी प्रांत पंजाब में सड़क दुर्घटना में 11 लोगों की मौत हो गयी और आठ अन्य घायल हो गये हैं। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। क्षेत्र की पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना प्रांत के जरानवाला जिले में हुई, जहां एक तेज रफ्तार बस ने एक रिक्शा को टक्कर मार दी, जिसके कारण महिलाओं और बच्चों सहित 11 लोगों की जान चली गयी। हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि पांच अन्य ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया।

भाजपा नेता के घर को भीड़ ने लगाई आग

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर स्थिति लगातार तनावपूर्ण होती जा रही है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष असकर अली के घर पर गुस्साई भीड़ ने हमला कर आग लगा दी। यह घटना रविवार रात थौबल जिले के लिलोंग क्षेत्र में हुई। इस मामले को लेकर स्थानीय प्रशासन और पुलिस का दावा है कि भीड़ द्वारा की गई उक्त हिंसा असकर अली द्वारा वक्फ संशोधन कानून के समर्थन में सोशल मीडिया पर दिए गए बयान के बाद हुई। रविवार रात करीब 9 बजे सैकड़ों लोग असकर

अली के घर के बाहर इकट्ठा हो गए। पहले नारेबाजी और तोड़फोड़ की गई, फिर कुछ ही देर में घर में आग लगा दी गई। घटना में घर को गंभीर क्षति हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था।

लोगों पर मंहगाई की मार, गैस सिलेंडर की कीमत में 50 रुपये की बढ़ोत्तरी

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में सोमवार को बढ़ोतरी का ऐलान किया है। सिलेंडर की कीमतों में 50 रुपये बढ़ोतरी की गई है। इसके पहले मोदी सरकार ने पेट्रोल.डीजल की एक्साइज ड्यूटी में बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इसकी जानकारी दी है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री पुरी ने कहाए एलपीजी के प्रति सिलेंडर की कीमत 50 रुपये बढ़ेगी। 500 से यह 550 ;पीएमयूवाई लाभार्थियों के लिएद्ध होगी और अन्य के लिए यह 803 रुपये से बढ़कर 853 रुपये हो जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहाए हम हर 2.3 सप्ताह में इसकी समीक्षा करते हैं। इसलिएए आपने जो उत्पाद शुल्क में वृद्धि देखी हैए उसका बोझ पेट्रोल और डीजल पर उपभोक्ताओं पर नहीं पड़ेगा। उस उत्पाद शुल्क वृद्धि का उद्देश्य तेल विपणन कंपनियों को 43,000 करोड़ रुपये की भरपाई करना हैए जो उन्हें गैस के हिस्से पर हुए नुकसान के रूप में हुआ है।

मीलॉर्ड! वक्फ संशोधन बिल की तत्काल सुनवाई हो

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वक्फ संशोधन बिल की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई है। इन याचिकाओं पर तत्काल सुनवाई करने की मांग सीनियर वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने कोर्ट में उठाई। इस पर सोमवार को चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की बेंच ने कहा कि कोर्ट में केसों की लिस्टिंग की एक मजबूत व्यवस्था है। इस तरह मौखिक तौर पर नहीं कहा जा सकता कि आप इस मामले की तत्काल सुनवाई करें। यदि आपको किसी मामले को

अर्जेंट लिस्ट कराना है तो फिर उसके लिए पत्र लिखें और वह मेरे समक्ष लाया जाए। इस पर सिब्बल ने कहा कि ऐसा पत्र पहले ही लिखकर जमा किया जा चुका है। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि ठीक है फिर जब मेरे पास पत्र आ जाएगा तो मैं जरूरी कदम उठाऊंगा। जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि ऐसी सभी याचिकाएं मेरे समक्ष दोपहर में रखी जाती हैं। ऐसे में उसके लिए अलग से जिक्र करने की जरूरत नहीं।

एफआईआर के खिलाफ कॉमेडियन कुणाल पहुंचे बॉम्बे हाईकोर्ट

मुंबई (एजेंसी)। स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को गद्दार कहने के मामले ने अब कानूनी मोड़ ले लिया है। कामरा ने उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। कॉमेडियन कुणाल कामरा ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए एफआईआर को रद्द करने की मांग की है। अपनी याचिका में उन्होंने दावा किया है कि उनके खिलाफ की गई एफआईआर संविधान में दिए गए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, व्यवसाय की स्वतंत्रता और जीवन व व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करती है। उन्होंने कोर्ट से अनुरोध किया है कि इस मामले में उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द किया जाए। कॉमेडियन की ओर से यह याचिका अधिवक्ता मीनाज काकलिया ने दायर की है। इस पर 21 अप्रैल को न्यायमूर्ति सारंग कोटवाल की पीठ के सामने सुनवाई हो सकती है।

राहुल गांधी पलायन रोको, नौकरी दो पदयात्रा में हुए शामिल

बेगूसराय (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 'पलायन रोको, नौकरी दो' पदयात्रा में भाग लेने के लिए पटना से बेगूसराय पहुंचे हैं। दिल्ली से पटना एयरपोर्ट आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका गरमजोशी से स्वागत किया, और फिर वे बेगूसराय के लिए रवाना हुए। यहां सुभाष चौक पर भारी संख्या में समर्थकों की मौजूदगी में फूलों की बारिश के साथ उनका भव्य स्वागत हुआ। बेगूसराय की सड़कों पर निकली पलायन रोको, नौकरी दो पदयात्रा में राहुल गांधी के साथ हजारों की संख्या में कार्यकर्ता और नेता मौजूद रहे। इससे पहले पूर्व

प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा ने राहुल को टोपी पहनाकर और बुके देकर स्वागत किया, जबकि वर्तमान अध्यक्ष राजेश राम, कन्हैया कुमार और कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कृष्णा अल्लावरू भी इस यात्रा में शामिल रहे। कांग्रेस इस पदयात्रा के जरिए बिहार के युवाओं के बेरोज़गारी और पलायन के मुद्दे को उठाना चाह रही है, जिसके सियासी मायने भी निकाले जा रहे हैं। यहां बताते चलें कि यह दौरा राहुल गांधी का पिछले दो महीनों में तीसरा बिहार दौरा है, जिससे कांग्रेस के चुनावी तेवर और तेज़ होते दिख रहे हैं।

राहुल के दौरे पर बोले गिरिराज, घूमें-फिरें, लेकिन असर नहीं पड़ेगा

राहुल गांधी के पलायन रोको, नौकरी दो पदयात्रा के बहाने बिहार दौरे को लेकर केंद्रीय मंत्री और बेगूसराय सांसद गिरिराज सिंह ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का बिहार आना सिर्फ भ्रम फैलाने की कवायद है और इसका कोई असर नहीं होने वाला। गिरिराज सिंह ने कहा कि बिहार में वो आएं, घूमें, भ्रम फैलाएं।

ईडी ने मंत्री केएन नेहरू के भाई की कंपनी पर की छापामार कार्रवाई

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में अवैध वित्तीय लेनदेन और मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को नगर प्रशासन मंत्री केएन नेहरू के भाई रविचंद्रन से जुड़ी कंस्ट्रक्शन कंपनी टीवीएच ग्रुप के कई ठिकानों पर छापा मारा। यह कार्रवाई राज्य में चल रहे कथित आर्थिक घोटालों की कड़ी में एक और अहम कदम माना जा रहा है। ईडी ने चेन्नई में करीब 10 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की है। ईडी की टीमें चेन्नई के तेनाम्पेट, अलवरपेट, बेसेंट नगर, सीआईटी कॉलोनी और एमआरसी नगर जैसे पॉश इलाकों में स्थित निर्माण फर्मों और परियोजना स्थलों पर छापे मार रहीं। सूत्रों के अनुसार, छापों का उद्देश्य संदिग्ध वित्तीय लेनदेन और धन शोधन से संबंधित साक्ष्य जुटाना है। यह कार्रवाई उस समय हुई है जबकि हाल ही में ईडी ने तमिलनाडु शराब व्यापार क्षेत्र (टेसमेक) में हुई कथित अनियमितताओं पर भी छापेमारी की थी। 6 मार्च को हुई इस कार्रवाई में एसएनजे डिस्टिलरीज, अक्काडु डी, एमजीएम ठेकेदार और शिवा डिस्टिलरी जैसे प्रतिष्ठानों पर भी तलाशी ली गई थी। इस छापेमारी की जद में डीएमके नेता जगतरक्षकन के ठिकाने भी आए थे।

सुविचार

कामयाब लोग अपने फैसले से दुनिया बदल देते हैं और नाकायाब लोग दुनिया के डर से अपने फैसले बदल लेते हैं।

निर्मल कुमार दे
जमशेदपुर

संपादकीय

भारत का महा आर्थिक संकट

भारत में आर्थिक मंदी जिस तरह से सामने आ रही है। जिसमें अर्थतंत्र के सारे संस्थान डगमगाते हुए नजर आ रहे हैं। शेयर बाजार में पिछले 6 महीने से लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। इस गिरावट को थामने के लिए सरकार और रिजर्व बैंक ने लाखों करोड़ रुपया शेयर बाजार में डाला। वह रुपया भी मुनाफा वसूली में शेयर बाजार से बाहर निकल गया। रिजर्व बैंक से केंद्र सरकार ने पिछले वर्षों में डिविडेंड के नाम पर काफी बड़ी राशि वसूल कर की है। जिसके कारण रिजर्व बैंक का आर्थिक संकट भी सामने दिख रहा है। रही सही कसर सरकारी बैंक पूरी कर रहे हैं। बैंकों द्वारा जो फाइनेंस किया गया है। उसकी वसूली नहीं हो पा रही है। बैंकों द्वारा पिछले वर्षों में खातेदारों से तरह-तरह के शुल्क लगाकर अनाप-शनाप वसूली की जा रही है। एनपीए खाते की रकम का समयोजन कर बैंकों का मुनाफा बैलेंस शीट में लाभ से एडजस्ट किया जा रहा है। पिछले वर्षों में शेयर बाजार में बैंकों द्वारा भारी निवेश किया गया है । जब तक शेयर बाजार में तेजी बनी हुई थी। तब तक बैंकों की बैलेंस शीट मुनाफा उगल रही थी। अब बैंकों की बैलेंस शीट घाटे की ओर आगे बढ़ रही हैं। जीवन बीमा निगम जैसी कंपनियां लड़खड़ा रही हैं । म्युचुअल फंड और अन्य वित्तीय संस्थान भी शेयर बाजार की गिरावट के कारण आर्थिक हालत खराब होती चली जा रही है । भारत के करोडों परिवार कर्ज के जाल में फंसे हुए हैं ब्लूमबर्ग की जो रिपोर्ट सामने आई है । उसके अनुसार 68 फीसदी कर्जदारों को ईएमआई चुकाने में आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। 45 अरब डॉलर का कर्ज फंसा हुआ है। 91 से 180 दिनों के भीतर लोन की किस्त जमा नहीं होने पर बैंक यह राशि एनपीए में डाल देते हैं। एनपीए 3.3 फ़ीसदी की रफ्तार से बढ़ता चला जा रहा है। 2023 में यह आंकड़ा मात्र 0.8 फीसदी था। भारत में लोन चुकाने के लिए अब लोग लोन ले रहे हैं। आर्थिक संकट के कारण लोगों को अपने बच्चों को स्कूलों से बाहर निकालना पड़ रहा है। बैंकों में लोन डिफाल्टरों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। रिजर्व बैंक के माध्यम से माइक्रो फाइनेंस के तहत बड़ी मात्रा में पर्सनल ऋण दिया गया है। इस ऋण की भी वसूली नहीं हो पा रही है। 10 में से 9 लोगों के पास औपचारिक और स्थाई नौकरी नहीं है। जिसके कारण वह लोन की किस्त नहीं चुका पा रहे हैं । समूह लोन जो दिया गया था, वह भी वसूल नहीं हो पा रहा है। माइक्रो फाइनेंस के लोन की किस्तें भी लोग नहीं चुका पा रहे हैं। लोगों के पास पर्याप्त आय नहीं है,उनकी मासिक खर्च लायक आमदनी नहीं हैं। माइक्रो फाइनेंस में रिजर्व बैंक ने न्यूनतम आय 3 लाख वार्षिक मानी है। रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार पुर्नभुगतान के लिए 50 फ़ीसदी से ज्यादा वसूली नहीं की जा सकती है। माइक्रो फाइनेंस में परिवार के कई सदस्यों ने अलग-अलग लोन लिया हुआ है। संयुक्त परिवार की मासिक आय 20 से ?25000 के बीच आती है। माइक्रो फाइनेंस की किस्त ही प्रति परिवार को 15 से 20000 चुकाना पड़ रही है। जिसके कारण माइक्रो फाइनेंस में डिफॉल्टर्स की संख्या बढ़ती चली जा रही है। माइक्रो फाइनेंस कंपनियां मनमाना ब्याज वसूल कर रही है। जिसके कारण विवाद और आत्म हत्या जैसी घटनायें बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही हैं। भारत में माइक्रो फाइनेंस शहरी क्षेत्र में ज्यादा बांटा गया है। आय की तुलना में कई गुना ज्यादा कर्ज होने से वित्तीय संस्थानों और बैंकों की हालत वसूली नहीं होने बड़ी खराब हो गई है। लोगों ने दिखावे के लिए बड़े पैमाने पर कर्ज लिए, अब वह कर्ज को चुका नहीं पा रहे हैं । बाजार में पैसा नहीं होने के कारण उत्पाद की बिक्री तेजी के साथ घटती चली जा रही है। जिसके कारण उद्योग और व्यापार भी संकट में आ गए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो टेरिफ़ बार शुरू किया है। उसने दुनिया के सभी देशों में आर्थिक मंदी का बिगुल बजा दिया है। इसमें सबसे ज्यादा असर भारत पर पड़ रहा है। पिछले 20 वर्षों में आम आदमी, स्थानीय प्रशासन राज्य सरकारें केंद्र सरकार सभी कर्ज लेकर घी पी रहे हैं। सरकार ने पिछले वर्षों में अपने खर्च कई गुना बढ़ा लिए हैं। पिछले 8 वर्षों में जीएसटी के माध्यम से आम नागरिकों से बड़ी मात्रा में टैक्स वसूल किया जा रहा है। राज्य सरकारों और स्थानीय संस्थाओं द्वारा भी शुल्क और टैक्स के रूप में आम आदमियों से कई गुना राशि वसूल की जा रही है। अब लोगों की कमाई नहीं है। शुल्क और टैक्स भी नहीं दे पा रहे हैं । बैंकों की किस्त नहीं चुका पा रहे हैं। जिसके कारण भारत आर्थिक मंदी का सबसे बड़ा और सबसे पहला शिकार बनने जा रहा है। 2008 की अमेरिकी आर्थिक मंदी का भारत में कोई प्रभाव नहीं पड़ा था। 2025 में भारत के आम परिवारों की बचत पूरी तरह से खत्म हो चुकी है । अधिकांश लोग कर्ज लेकर अपने शौक पूरे कर रहे थे इस आर्थिक संकट से निपटने के लिए अब लोगों के पास कोई विकल्प नहीं है। केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है, वर्तमान स्थिति में वह आर्थिक नीतियों को आर्थिक विशेषज्ञों की मदद से वास्तविक स्थितियों का सामना करे। महंगाई और बेरोजगारी के इस दौर में सरकार की जिम्मेदारी है। वह टैक्सों का बोझ आम जनता के ऊपर कम करे। सरकार का पैसा इस तरह से खर्च हो, जो पूंजीपतियों के हाथ में ना जाकर आम लोगों तक पहुंचे। जिसके कारण मुद्रा का प्रचलन बढ़े। आर्थिक स्थितियों में सुधार हो। समय रहते यदि सरकार ने समुचित निर्णय नहीं लिए, तो आर्थिक स्थिति के साथ-साथ देश की कानून व्यवस्था की स्थिति भी बिगड़ सकती है। इस आर्थिक मंदी को सरकार को गंभीरता से लेना होगा। वित्तीय संस्थाओं की जवाबदेही तय होनी चाहिए। सरकारी संस्थाओं और अधिकारियों को भी जवाबदेह बनाने की जरूरत है। सपनों को भूलकर सरकार को धरातल पर आना होगा। अन्यथा परिणाम बड़े भयंकर होंगे।

दस के दस आयाम

दस की चर्चा में दशानन की चर्चा प्रासंगिक है .क्यों न हो ,अब जमाना भी उन्हीं का है.आधुनिकता का आधा मतलब आधी राक्षसी वृत्तियों को स्वीकार करना है .अन्यथा हमारी पारम्परिक संस्कृति में कौन सी कमी है.अब छोड़ो भी दशानन के दस चेहरे कैसे थे कौन-कौन से थे ?क्या कहते -सुनते थे आपस में हंसी मजाक तो नहीं करते थे.इन बातों को अप्रासंगिक मानकर छोड़ना ही उचित होगा किन्तु एक विद्वान ब्राह्मण जो शक्ति के मद में चूर होकर एक स्त्री बलात् अपनाने को प्रतिष्ठा का प्रश्न बना बैठा और उसके लिए इतना लालायित होकर अंधा हो गया कि अपना राजपाट गंवाने और कुल विनाश को भी तत्पर हो उठा.अब उसे विद्वान कैसे कह सकते हैं उस समय भी ब्राह्मण होने की कुछ अर्हताएं थीं .वह क्या थीं ?क्या वह उन पर खरा उतरा उसे आज भी याद करना किसी भी प्रसंग में क्या यह उचित होगा .हम आने वाली पीढ़ियों तक क्या संदेश ले जा रहे हैं ?एक स्त्री के पीछे पड़े तो इतना टूट कर पड़ो ,भले ही सब कुछ बर्बाद हो जाए किंतु हमारी निष्ठा या नीयत पर कोई आंच नहीं आनी चाहिए .क्या विद्वता इसी को कहते हैं?और इस प्रवृत्ति के क्या परिणाम सामने आ रहे हैं.?बहुत से बुद्धिजीवियों की फाइव स्टार होटलों की गाथायें निंदा पुराणों में सुनहरे अक्षरों में अंकित हैं. दस दिशाएं हैं -पूर्व पश्चिम उत्तर दक्षिण ईशान आग्नेय ,नैऋत्य ,वायव्य ऊपर नीचे .वस्तुतः दिशाएं चार थीं. फिर उनके मध्य कोणों को भी दिशा माना गया और फिर ऊपर नीचे की गणना की गई. ऊपर जाना तो ठीक है किन्तु नीचे जाना दिशा है या दुर्दशा ?बात को हंसकर टाल देना हमारी आदत में है किन्तु कुछ बातों को गंभीरता से लेना चाहिए. विशेषतः वह जो हमारे जीवन और हमारी प्रगति से जुड़ी हैं. दस दिग्पाल हमारी मान्यताओं में आज जीवित हैं. गरुड़ध्वज ,गोविंद अग्नि पवन ईस राक्षस यम सुरपति ,धनद, वरण.यह दसों दिशाओं के रक्षक हैं .अपनी सुरक्षा के लिए यह पुरानी मान्यता है .जब दसों दिशाओं की रक्षा करने में यह दिग्पाल सक्षम हैं तब भारत को अपने पड़ोसी देशों से रक्षा के लिए सेनाओं की तैनाती की क्या आवश्यकता है फिर तो केवल इनकी ही पूजा-अर्चना करना चाहिए .यही हमारी सुरक्षा के लिए पर्याप्त हैं. प्राचीन संस्कृति का ढोल पीटने वालों का क्या अभिमत है आज वह निर्णय करने में सक्षम हैं.वह निर्णय ले लें तो देश का अरबों रुपया सेना के बजट खाते में बर्बाद होने से बचाया जा सकेगा.जल, थल वायु सेना की फिर किसे जरूरत है ?और यदि जरूरत है तो यज्ञों, मंत्रोच्चारों का क्या मतलब कितने युद्धों खेलों चुनावों यहां तक कि क्रिकेट के विश्व कप के समय भी ऐसे प्रहसन देखने में आते हैं .अल्प वर्षा या अकाल में भी किसने मंत्रोच्चार नहीं किये. प्राचीन काल में सूखे खेतों में नग्न युगलों के हल चलाने की दास्तानें क्या प्रमाणित करती हैं.?मेंढक मेंढकी का विवाह वर्षा के लिए पर्याप्त है या सघन वन श्रंखला जो कम से कम दस वर्ष की मेहनत

के बाद दिखाई देती है . दशश्वीर दस का दूध दस जीवों के दूध से बनी खीर को दशश्वीर कहते हैं .मान्यता है कि यह दीर्घायु देने वाली तथा बलवर्धक होती है .इन दस जीवों में गाय बकरी ऊंटनी भेड़ भैंस घोड़ी स्त्री हथिनी ,हिरणी और गधी के दूध का समान अनुपात में मिश्रण किया जाता है कुछ लोगों की मान्यता है महाभारत काल में भीम इसी खीर का सेवन करते थे जिससे उन्हें अपार शारीरिक बल प्राप्त हुआ. दस द्वार व्यक्ति के होते हैं.कबीर ने इन्हें ही ''रंगमहल के दस दरवाजे'' कहा है.रंगमहल यानि आनंद भोग विलास.दस इंद्रियां ही इनके द्वार हैं.इंद्रियां दस हैं पर ये फिफटी-फिफटी हैं. पांच ज्ञानेंद्रियां और पांच कर्मेंद्रियां.मिलावट कहां नहीं है.? व्यक्ति के शरीर में दस द्वार ,दस रंध्र माने गए हैं .दो कान, दो आंख,दो नथुने,एक मुख ,एक गुदा ,एक लिंग.इनके अलग अलग कार्य हैं.एक का कार्य कोई दूसरा नहीं कर सकता.किन्तु दिव्यांगों के बारे में ऐसा कोई दावा नहीं किया जा सकता.अपवाद जुड़वाओं तथा अन्यों के साथ भी हैं. दशम विशेषण है .आप जिस दिन पैदा हुए या मृत्यु को प्राप्त हुए उसका दसवां दिन भी हो सकता है.इसी तरह दशमांश अर्थात दसवां भाग .सौ का दसवां भाग भी दस ही होगा.दसवां भाग दशमांश भी कहलाता है .यानि दसवां अंश,चाहे वह आय का हो अथवा व्यय का,चोरी का हो या डकैती का,कम्पनी का लाभांश हो या दफ़्तर की ऊपरी आमदनी .इससे शब्द पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता. दसवां संख्या संबंधी है यह मृत्यु का दसवां दिन भी हो सकता है और नोट बंदी के बाद बैंक की लाइन में लगा हुआ दसवां व्यक्ति भी .यह लोकसभा में बैठा हुआ दसवां भ्रष्ट सांसद भी हो सकता है लोकसेवा से जुड़ा दसवां ईमानदार अधिकारी कर्मचारी भी हो सकता है. दशम भाव कुंडली में जन्म लग्न से दसवां घर होता है और उस में विराजित ग्रहों की भाव दशा से उसके सम्बन्ध में निर्णय लिया जाता है.दशमेश अर्थात कुंडली में दसवें घर का स्वामी ग्रह .दशम भाव कुंडली में लग्न से दसवां घर होता है .उसका स्वामी दशमेश कहलाता है.ज्योतिष में दशम भाव से व्यापार, मान सम्मान, नौकरी, पिता, अधिकार एवं ऐश्वर्य भोग का विचार किया जाता है.इसके कारक ग्रह रवि ,बुध, गुरु एवं शनि हैं.दशम भाव में सूर्य हो तो व्यक्ति प्रतापी, व्यवहार कुशल, उदार,व ऐश्वर्यशाली हो सकता है.वर्तमान समय में निरंकुश ,उद्दंड, व्यभिचारी आदि आदि. दशमी शुक्ल या कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि हो सकती है.लेकिन दशहरा केवल विजयादशमी को कहते हैं .यह आषाढ़ के नव दुर्गों के बाद आता है .इसे असत्य पर सत्य की ,अन्याय पर न्याय की, अनीति पर नीति की विजय के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करते हैं. संदर्भ राम-रावण से जुड़ा है. सीता हरण के कारण युद्ध में अपहरणकर्ता रावण को मृत्युदंड दिया गया. बात सही है किंतु आज अपहरणकर्ता या बलात्कारी को मृत्युदंड न देकर आजीवन कारावास देना क्या उसके साथ रियायत बरतना नहीं है?अपराधा जेल प्रशासन से सांठगांठ कर जेल में ही थ्री स्टार होटल जैसी सुविधाएं मुहैया करा लेते हैं. आज निरपराध लोग आतंकवादियों द्वारा गोलियों से भूने जा रहे है. मासूम कलियों को मसला जा रहा है. स्त्रियों की अस्मत जूते तले रौंदी जाती है, तब अपराधियों के साथ मानव अधिकारों की बात करना क्या न्यायोचित है? मानवाधिकार वाले सदैव अपराधियों के पक्ष में ही खड़े क्यों दिखाई देते हैं? इस प्रश्न पर गंभीरता से विचार होना चाहिए. जिन मुल्कों में कड़ी सजा का प्रावधान है वहां अपराध नाम मात्र के हैं. इसलिए सदैव अपराधियों की प्रकृति और प्रवृत्ति को देखना चाहिए,और उसी के अनुरूप दंड.न कि उनमें सुधरने की संभावनाएं. दशकर्म गर्भाधान से लेकर विवाह तक के 10 संस्कार दशकर्म कहलाते हैं .दशावतार विष्णु के दस अवतारों को कहते हैं .दस गांव का स्वामी दशेश कहलाता है .वर्तमान में दस जिलों वाले संभाग के कमिश्नर को भी दशेश कहा जा सकता है .दस धर्म लक्षण निर्धारित हैं -धृति क्षमा दम अस्तेय शौच इंद्रियनिग्रह धर्म विद्या सत्य क्रोध-त्याग.दशनामी सन्यासियों का एक पंथ है और दसभुजी देवी दुर्गा हैं.अतः स्वाभाविक रुप से इनमें भी दस का दम है.

डॉ महेन्द्र अग्रवाल
सदर बाजार शिवपुरी म प्र
9425766485

ट्रंप और एलन मस्क के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

ट्रंप का टैरिफ वार बनाम वर्ल्ड वॉर

डोनाल्ड ट्रंप जब दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए थे और उन्होंने अपना सहयोगी सलाहकार एलन मस्क को बनाया था तब लगा सचमुच दुनिया की आर्थिक व्यवस्था में काफी सुधार आएगा दूसरी तरफ ट्रंप ने विश्व युद्ध रोकने की जोरदार मुहिम की शुरुआत की थी लेकिन ट्रंप के टैरिफ हाइक ने भारत के साथ यूरोपीय देशों और नाटो देशों के व्यापार जगत में हड़कंप मचा दिया है। भारत में ही सेंसेक्स 3000 अंक में उछाल ला दिया है और निफ्टी में 850 अंक की बढ़ोतरी हुई है। दूसरी तरफ अमेरिका में ही महंगाई 10त्न का उछाल आया है। अमेरिका ने सभी देशों पर 25 से 35त्न तक मंहगा कर दिया है जिससे अमेरिका में ही महंगाई का हड़कंप मच हुआ है। ट्रंप की इस मनमानी पर 50 राज्यों में 150 महत्वपूर्ण समूह ने उग्र प्रदर्शन कर दिया है डोनाल्ड ट्रंप के सभी सहयोगी एलन मस्क का भी जबरदस्त विरोध शुरू हो गया। टैरिफ में जबरदस्त बढ़ोतरी, कर्मचारियों में भारी कटौती एवं अर्थव्यवस्था में तेजी से गिरावट के कारण हजारों-हजार नागरिकों और व्यापारिक समूह ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। वैश्विक युद्ध की संभावना को रोकने के लिए डोनाल्ड ट्रंप ने पुतिन और जेलेन्सकी की से बातीं शुरू की जिससे संभावना बन रही थी कि रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-पिलिस्तिनी युद्ध में रोक लगेगी पर ऐसा हुआ नहीं। ट्रंप ने एलन मस्क की सलाह पर टैरिफ बढ़ाकर वैश्विक व्यापार युद्ध को न्योता दे दिया है। विश्व युद्ध रोकने की जगह अब अब व्यापारिक युद्ध का ऐलान हो गया जिससे वर्तमान में अमेरिका में विपक्ष की मुहिम के तहत हुए प्रदर्शनों में 150 से अधिक समूह शामिल रहे इसमें नागरिक अधिकार संगठन श्रमिक संघ एवं वकालत करने वाले समूह बुजुर्ग तथा चुनावी सुधारो में वकालत करने वाले समूह शामिल हो गए हैं। कैलिफोर्निया, मैनहटन से लेकर अलास्का तक देश भर के शहरों में लाखों प्रदर्शनकारियों ने सरकार द्वारा छटनी तथा अर्थव्यवस्था, आवर्जन व मानवअधिकारों पर ट्रंप तथा उनके सहयोगी अरबपति एलन मस्क की कार्रवाई की आलोचना कर खुलकर प्रदर्शन किया जा रहा है। अमेरिका में ही पोर्टलैंड ओरेगॉन और लॉस एंजेल प्रदर्शन कार्यों ने बड़ी-बड़ी रैलियां निकाली है। ट्रम्प और एलन मस्क अपने आमिर साथियों को फायदा पहुंचाने के लिए नए-नए कदम उठाए हैं जिससे उन्हें ज्यादा से ज्यादा मुनाफा हो सके और इसका ही खुलकर वहां की आम जनता एवं अन्य समूह विरोध कर रहे हैं। भारत के संदर्भ में भारत के नियंत पर 25त्न से 27त्न टैरिफ लगाने से भारत में भी निर्यात पर महंगाई काफी बढ़ जाएगी एवं इसका असर भारत के घरेलू उत्पाद पर भी पड़ेगा। इस बात के विरोध पर एवं ट्रंप के फैसलों से नाराज लोग बाग लाखों की संख्या में विरोध प्रदर्शन के लिए सड़कों पर उतर आए हैं। विरोध प्रदर्शन में जाने माने उद्योगपति बाल्टीमोर निवासी रॉब अपने बेटों तथा पत्नी कैथरीन के साथ वाशिंगटन में विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए उन्होंने प्रदर्शन करते हुए शेयर बाजार सूचकांक में गिरावट को दर्शाते हुए ग्राफ के साथ एक साइन बोर्ड लगाया था उस पर लिखा गया क्या हमने इसी बात के लिए हमने आपको वोट दिया था हम इस बात का खुलकर विरोध करते हैं। एवं इसके विरोध में रैली में शामिल भी हुए हैं। अब ट्रंप तथा एलन मस्क तथा पूरे अमेरिकी प्रशासन को दो बड़े मुद्दों पर पूरे विश्व से नाराजगी झेलनी पड़ रही है। वैश्विक युद्ध रोकने के लिए ट्रंप ने पुतिन को आश्वासन दिया था पर ट्रंप की बात पर यूक्रेन के राष्ट्रपति ने अपना अविश्वास जाहिर किया उल्लेखनीय है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति के साथ नाटो तथा यूरोपीय देश के अन्य देश ने यूक्रेन का साथ देकर अमेरिका का खुलकर विरोध किया है। पुतिन ने यूक्रेन पर जबरदस्त हमले फिर जारी कर कर दिए हैं इसके अलावा इस्राइल ने गाजी तथा अन्य क्षेत्र पर तावड़तोड़ हमले शुरू कर दिए युद्ध विराम की कोई संभावना दिखती नजर नहीं आती इसके अलावा दूसरी तरफ वैश्विक व्यापार युद्ध शुरू हो चुका है। इस बार डोनाल्ड ट्रंप की अमेरिका में राष्ट्रपति पद की पारी उन पर भारी पड़ती नजर आती है । ऐसा लगता है की ट्रंप सिर्फ अमेरिका के व्यापारिक हितों के राष्ट्रपति ही बनकर रह जाएंगे और धीरे-धीरे ट्रंप पर भरोसा सभी देशों का कम होते जाएगा क्योंकि पहले से ही चीन तथा उत्तरी कोरिया अमेरिका का घोर विरोध करते आ रहे हैं ऐसे में पूरा वैश्विक परिदृश्य विश्व युद्ध तथा व्यापारिक युद्ध की कगार पर आकर खड़ा हो गया है।

संजीव ठाकुर,लेखक,
चिंतक, स्तंभकार, रायपुर

जनता चारों खाने चित्त है

खुदन जी मालदार आसामी हैं । इधर मँहगाई ने कमर तोड़ दी है। खुदन जी का दौड़ धूप वाला धँधा है। ट्रॉंसपोर्टिंग का काम करते हैं। इसलिये कस्बे से शहर जाना होता है। इधर वो एक दिन कस्बे से दो - चार घँटे के लिए भला क्या गायब हुए। उनका घर चोरों ने साफ कर दिया। इससे पहले भी इस कस्बे में चोरियाँ हुआ करती थी। लेकिन इधर नाक के नीचे से चोरियों की संख्या में उतरोत्तर इजाफा हुआ है। महीने में इधर एक- दो चोरियाँ हो जाना कोई नई बात नहीं है।लेकिन इधर चोर चार -पाँच लाख की नगदी समेत जेवर इत्यादि पर भी हाथ साफ कर चुके थे। लिहाजा सड़क जाम करने की सोची गई। लेकिन हालत वही ढाक के तीन- पात वाली थी। इससे पहले भी महीने भर पहले कस्बे में चोरी हुई थी।खुदन जी ने तब भी कॉलोनी के मुखिया होने के नाते थाने में जाकर शिकायत दर्ज कराई थी। लेकिन थाने की हालत अलग है। वहाँ दूसरा खेल चल रहा है। लेकिन कप्तान साहब कॉलोनी का हाल लेने नहीं आये। वो दिन है और आज का दिन है।

पुलिस कप्तान अपने परेशान है। उनको कमाई वाला एरिया चाहिए। मनचाहे एरिया में पोस्टिंग की रेट हमारे यहाँ तीन करोड़ है। लिहाज

कप्तान साहब जुगाड़ में लगे हुए हैं। इधर थाने के एस .एच . ओ . साहब का भी वही हाल है। पच्चीस तीस -लाख का जुगाड़ उनको भी चाहिए। उनको भी कमाई वाला एरिया चाहिए। मंत्री जी की चाँदी है। वो दोनों हाथ से नोट बटोर रहें हैं। ट्रॉंसफर और पोस्टिंग में लगे हुए हैं। और माल पीट रहें हैं। देश में दो चीजों का बहुत ही जोर चल रहा। अभी रामनवमी है। लिहाजा राम की चर्चा बहुत जोरों पर है। दूसरी चर्चा औरंगजेब , बाबर , अकबर और राणा साँगा की हो रही है।

राम लक्ष्मण और सीता जी को कोई टेंशन नहीं है। वो वनगामी जीव

हैं। उनको कँद -मूल , फल - फूल , खाने को मिल ही जायेगा। औरंगजेब , अकबर , राणासाँगा अपनी अपनी जगहों पर आराम फरमा रहें हैं। लिहाजा उनको भी खाने -पीने की कोई जरूरत नहीं है। हालत खुदन सरीखे लोगों की खराब है। जो चावल जुटाते हैं। तो नमक घट जाता है। नमक जुगाड़ते हैं तो चीनी। खुदन सरीखे लोगों का जीना मुहाल हुआ जाता है। सरकार में सब बाबा किस्म के लोग हैं। जिनको बाल -बच्चों की कोई चिंता नहीं है। उनके ना आगे -नाथ ना पीछे पगहा है।चोर पुलिस के खेल में मंत्री जी खूब भींग छन रहें हैं। इधर एक और घटना कोढ़ में खाज की तरह हमारे सूबे में घट गई है। घटना विस्थापन की है। बहुत सालों पहले रैयातों की जमीन ये कहकर ली गई, कि उनको नौकरी मिलेगी। लेकिन नौकरी की राह देखते विस्थापितों की आँखें पथरा गईं। वो दिन है। और आज का दिन है। नौकरी ना मिलनी थी। ना मिली। अरे नहीं भाई सरकारी नौकरी के लिए नहीं। बल्कि सविदा पर नौकरी के लिए। सविदा पर नौकरी के लिए लोग जान देने पर तुले हैं। है भी बेईमानी वाली बात। सालों पहले इस भरोसे ही लोगों ने अपनी -अपनी जमीनें दी थी। लेकिन नौकरी गधे के सिर से सींग की तरह गायब है। इधर नौकरी की माँग तेज हुई। और उधर संघर्ष में एक युवक मर गया। लिहाजा आँदलोन उग्र हुआ जा रहा है। क्रेडिट लेने की होड़ मची हुई है। विस्थापन के मुद्दे को मैंने उठाया। तो मैनें उठाया। विस्थापन गरीबों की समस्या है। उनको ही लड़ना चाहिए था। लेकिन उनके मुद्दे को दूसरे राजनीतिक दल के लोग आपने - अपने खाते में क्रेडिट करने में लग गये हैं। इससे लोग उबरे भी नहीं थे। कि बाहरी भीतरी के नाम पर एक नया बखेड़ा खड़ा हो गया है। कुछ इस तरह कि रोजे छुड़ाएँ, तो नमाज गले आन पड़ी। बाहरी भीतरी के बहाने भी लोग अपना उल्लू सीधा करने में लगे हुए हैं। हालत तो आम जनता की खराब हुई जा रही है। तेल , नून साग - सब्जी जुटाते - जुटाते। मंत्री जी उगाहने में लगे है। खुब ट्रॉंसफर पोस्टिंग हो रही है। दारोगा जी , पुलिस कप्तान सब अपने - अपने स्तर पर उगाही करने में लगे हैं। कमीशन खोरी पर ही पूरा- का -पूरा तंत्र खड़ा है। चोरियाँ धड़ाधड़ है रहीं हैं। ना औरंगजेब को मतलब है। ना रामजी को। चोर के बहाने साहूकारों की दावत है। जनता चारों खाने चित्त है।

महेश कुमार केशरी
C/O - मेघदूत मार्केट
फुसरो
बोकारो झारखंड
पिन 829144

इंदौर प्रेस क्लब के 63वें स्थापना दिवस पर तीन दिवसीय इंदौर मीडिया कॉन्क्लेव का आगाज

इंदौर की पहचान पोहे-जलेबी और स्वच्छता तक सीमित नहीं होकर पत्रकारिता के घराने के रूप हो रही है

इंदौर। आज एक गरिमामय समारोह में इंदौर प्रेस क्लब का तीन दिवसीय इंदौर मीडिया कॉन्क्लेव का शुभारंभ हुआ। यह आयोजन इंदौर प्रेस क्लब के 63वें स्थापना दिवस पर आयोजित किया जा रहा है। समारोह में सभी अतिथियों ने मूर्धन्य पत्रकार राजेंद्र माथुर जी, राहुल बारपुते जी, प्रभाष जोशी जी, डॉ. वेदप्रताप वैदिक जी, शरद जोशी जी, अभय छजलानी जी, कृष्णकुमार अष्ठाना जी को स्मरण किया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि सांसद शंकर लालवानी और देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. राकेश सिंघई थे। समारोह में बड़ी संख्या में प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के पत्रकार, सोशल इम्प्लएंसर, विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षणिक संगठनों के प्रमुख एवं प्रतिनिधि मौजूद थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद शंकर लालवानी, कुलगुरु प्रो. राकेश सिंघई, कस्तूरबाग्राम ट्रस्ट के करुणाकर त्रिवेदी, सेवा सुरभि के ओम नरेडा, अध्यास मंडल के रामेश्वर गुप्ता, सानंद न्यास के जयंत भिसे, इंदौर प्रेस क्लब अध्यक्ष अरविंद तिवारी, महासचिव हेमंत शर्मा, प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष सतीश जोशी ने दीप प्रज्जवलन कर किया। शुभारंभ मौके पर सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि इंदौर प्रेस क्लब इंदौर एक ऐसा शहर है जिसने देश को बड़े-बड़े पत्रकार और संपादक दिए हैं। जिन्होंने पत्रकारिता को एक नया आयाम देकर देश-दुनिया में पत्रकारिता का परचम लहराया है। इंदौर को गढ़ने में पत्रकारों का बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने आगे कहा कि प्रिंट मीडिया के साथ अब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता, क्योंकि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का अपना एक वजूद है और वह प्रिंट मीडिया को लगातार चुनौती दे रहा है। इसलिए प्रिंट मीडिया को अपनी कार्यशैली में बदलाव लाने की आवश्यकता है। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. राकेश सिंघई ने कहा कि इंदौर की भाषाई पत्रकारिता की देश और दुनिया में विशिष्ट पहचान है। यहां के पत्रकारों की लेखनी की चर्चा सभी जगह होती है, क्योंकि वे अपनी बात बेबाकी से लिखते हैं। पत्रकारिता के इस तीन दिवसीय अनुष्ठान के मंथन से जो अमृत निकलेगा, उसका लाभ पत्रकारिता के छात्रों को भी मिलेगा और यह आयोजन पत्रकारिता के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगा। इंदौर प्रेस क्लब के अध्यक्ष अरविंद तिवारी ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि

इन्दौर की सबसे पुरातन पत्रकारिता की संस्था इन्दौर प्रेस क्लब के इस महत्त्वपूर्ण परिसर में आपका स्वागत है। आज से पत्रकारिता के समृद्ध इन्दौर घराने का अपना महोत्सव इन्दौर मीडिया कॉन्क्लेव का आरंभ हो रहा है। यह इन्दौर राजेन्द्र माथुर, राहुल बारपुते, प्रभाष जोशी, शरद जोशी, माणिकचंद वाजपेयी, वेदप्रताप वैदिक, पद्म् श्री अभय छजलानी और कई हस्ताक्षरों से समृद्ध है। इन्ही सब पूर्वजों के द्वारा लगाया गया इन्दौर प्रेस क्लब आज वटवृक्ष बन गया है। निःसंदेह आगामी तीन दिन आप और हम सभी देश के सुप्रसिद्ध पत्रकारों, चिंतकों के विचारों को सुनेंगे, विभिन्न विषय, महत्त्वपूर्ण, विचारोतेजक सत्र और सैकड़ों अनुभवों के साथ आप सब जुड़ें तीनों दिन। आपके अपने उत्सव इन्दौर मीडिया कॉन्क्लेव को आपकी उपस्थिति ही महनीय बनाएंगी। इंदौर मीडिया कॉन्क्लेव का पहला सत्र पत्रकारिता का इंदौर घराना के नाम रहा। इस विषय पर वक्ताओं ने बेबाकी के साथ अपनी बात कही। वरिष्ठ पत्रकार एवं पूर्व कार्यकारी राज्यसभा टीवी के संपादक राजेश बादल ने कहा कि करीब चार दशक पहले देश में इंदौर की पहचान मिनी मुंबई या कारोबारी शहर के नाम पर होती थी, लेकिन आज इंदौर पत्रकारिता का एक घराना बन चुका है। जिसने देश को कई ख्यात पत्रकार दिए हैं। इंदौर पत्रकारिता का एक ऐसा शिल्पी है जो पत्रकारों को गढ़ता है। यहां के लोगों में जो सेंस ऑफ ह्यूमर और शब्दों की संवेदनाएं हैं, वह उसे दूसरे शहरों से एकदम विशिष्ट हैं। मालवा की सौम्यता की बात ही अलग है। अमर उजाला डिजिटल नई दिल्ली के संपादक जयदीप कर्णिक ने अपने उद्बोधन में कहा कि इंदौर की पत्रकारिता ने जो भाषा के संस्कार दिए हैं, वह बेमिशाल हैं। उन्होंने नईदुनिया का जिक्र करते हुए कहा कि यह केवल एक अखबार ही नहीं पत्रकारिता की सबसे बड़ी पाठशाला रही है। जिसका लोहा आज भी देश और दुनिया में माना जाता है। अमर उजाला के समूह सलाहकार संपादक यशवंत व्यास ने कहा कि तीन दशक बाद मैं इंदौर में आया हूं। इसके बावजूद मैं यहां लोगों से मिला तो ऐसा लगा कि मैं यहां से गया ही कब था। यहां की पत्रकारिता की अपनी एक विशिष्टता है। जो एक बार यहां आता है, वह यहीं का होकर रह जाता है। उन्होंने कहा कि नईदुनिया एक ऐसा अखबार है, जिसने वहां के पत्रकारों को पत्रकारिता के नए-नए प्रयोग करने की पूरी स्वतंत्रता है। उन्होंने मालवी और निमाड़ी बोली की भी चर्चा की, जिसका पत्रकारिता में अच्छी खासी भूमिका रही है।

आजतक नई दिल्ली के वरिष्ठ पत्रकार सईद अंसारी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपनी बात रखते हुए कहा कि इंदौर ने पत्रकारिता को एक नई दिशा दी। पत्रकारिता की आत्मा है इंदौर और राजेद माथुर जी, आलोक मेहता जी व राहुल बारपुते जी जैसे मूर्धन्य पत्रकार पत्रकारिता के पुरोधा हैं, जिन्होंने पत्रकारिता को जिया है। लेखनी पत्रकारों का चरित्र है और संपादक उसका मार्गदर्शक होता है।

मा खनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि इंदौर से प्रकाशित नईदुनिया का देश में वही स्थान है, जो किसी समय शिक्षा के क्षेत्र में नालंदा और तक्षशिला का रहा है। पत्रकारिता को घराना बनाने में नईदुनिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, क्योंकि उसने देश को ऋषितुल्य संपादक और मूर्धन्य पत्रकार दिए हैं। नईदुनिया एक ऐसा अखबार है, जिसको पढ़कर कई लोगों ने शुद्ध भाषा सीखी। वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश हिंदुस्तानी ने कहा कि अभी तक इंदौर की पहचान पोहे और जलेबी तक ही सीमित रही, लेकिन सही मायने में इंदौर एक ऐसा शहर है, जहां आईआईटी और आईआएम दोनों हैं और जहां बनारस, ग्वालियर और जयपुर के संगीत घराने की तरह इंदौर पत्रकारिता का घराना है। इंदौर से निकले राजेंद्र माथुर जी, प्रभाष जोशी जी, शरद जोशी जी ऐसे मूर्धन्य पत्रकार और संपादक रहे, जिन्होंने दूसरे शहरों में जाकर केवल पत्रकारिता ही नहीं की बल्कि पत्रकारिता में एक बड़ा परिवर्तन भी किया। इसी वजह से इंदौर पत्रकारिता का घराना कहलाता है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत प्रेस क्लब महासचिव हेमंत शर्मा, उपाध्यक्ष दीपक कर्दम, प्रदीप जोशी, कोषाध्यक्ष संजय त्रिपाठी, विपिन नीमा, मुकेश तिवारी, सुनील जोशी, श्रुति अग्रवाल, अभिषेक चेंडके, जमना मिश्रा ने किया। स्मृति चिह्न पद्मश्री भालू मोढे, प्रेस क्लब सचिव अभिषेक मिश्रा, अनिल त्यागी, किरण वाईकर, हरेराम वाजपेयी ने प्रदान किए। कार्यक्रम का संचालन संस्कृतिकर्मी संजय पटेल ने किया। इस अवसर पर राजेश बादल ने मूर्धन्य पत्रकार स्व. राजेंद्र माथुर और पत्रकारिता पर लिखी पुस्तकें एवं श्री माथुर का चित्र इंदौर प्रेस क्लब अध्यक्ष अरविंद तिवारी को भेंट किया।

इंदौर मीडिया कॉन्क्लेव का दूसरा सत्र एआई-कृत्रिम बुद्धि का धमाल-नौकरी लेगा या करेगा कमला विषय पर केंद्रित था। इस सत्र के मॉडरेटर पीटीआई के ब्यूरोचीफ हर्षवर्धन प्रकाश थे। एनडीटीवी, नई दिल्ली के सीनियर एडिटर हिमांशु शेखर ने कहा कि अधिकतर न्यूज एजेंसी की अपनी कोई एआई पॉलिसी नहीं है। आज इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 96 करोड़ हो गई है। न्यूज एजेंसी के सामने दो बड़ी चुनौतियां हैं सोशल मीडिया और चेटबोर्ड। एआई एंकर को न्यूज एंकर के रूप में स्वीकृति देना मुश्किल है, क्योंकि इनमें ह्यूमेन इंटरफेस की कमी है। एआई को उपयोगी बनाने के लिए बहुत बुद्धिमान और शक्तिशाली मानवीय सेना लगती है। अमर उजाला नई दिल्ली के डिजिटल संपादक जयदीप कर्णिक कहा कि कोई भी तकनीक मानवीय रोजगार समाप्त करने के लिए नहीं बल्कि उसे चुनौती देने के लिए आती है। अतः हमें इस चुनौती के लिए खुद को तैयार करना होगा।

डिजिटल सेवाएं, मल्टीमीडिया, सोशल मीडिया एवं फैक्ट चेकिंग पीटीआई नई दिल्ली के हेड प्रत्यूष रंजन ने कहा कि एआई पत्रकारिता के लिए नहीं बल्कि कमजोर और आलस से भरे पत्रकारिता के लिए खतरा है। एआई का उपयोग करने से पहले दो बिंदुओं की जांच करना जरूरी है जैसे एआई के सूत्र क्या हैं और उसकी नीतियां क्या हैं।

देश में हिंदी पोर्टल वेबदुनिया की शुरुआत करने वाले वरिष्ठ पत्रकार विनय छजलानी ने कहा कि मनुष्य ने अपनी बुद्धि का उपयोग करके अपने से अधिक बुद्धिमान तकनीक को जन्म दिया है। एआई से हमारी नौकरियां तब तक ही सुरक्षित रहेंगी, जब तक हम इसे अपने नौकर की तरह इस्तेमाल करेंगे। प्राइवेसी और कॉपीराइट के सवाल के जवाब में जयदीप कर्णिक ने कहा कि एआई की अपनी कोई मौलिक सामग्री या जानकारी नहीं है। जिस तरह से सिखाया जा रहा है, वह वही बताता है। इसी बात को आगे बढ़ाते हुए प्रत्यूष रंजन ने कहा कि एआई के आने के बाद अच्छी और सच्ची जानकारी में फर्क करना मुश्किल हो गया है। बहुत सी न्यूज एजेंसी को भय है कि वे दौड़ में पीछे रह जाएंगे। हालांकि एआई के द्वारा जनरेट किए गए कन्टेंट को गूगल लेंस और रिजेबल जैसे प्लेटफार्म से कर सकते हैं।

अतिथि स्वागत एवं स्मृति चिन्ह इंदौर प्रेस क्लब अध्यक्ष अरविंद तिवारी, हरीश फतेहचंदानी, संजय लाहोटी, विपिन नीमा और ग्रीष्मा त्रिवेदी ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रेस क्लब अध्यक्ष अरविंद तिवारी ने किया।

कॉन्क्लेव का तीसरा सत्र अखबारों से सिमटता साहित्य विषय पर केंद्रित रहा। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि इंदौर में इस तरह के आयोजन होना केवल सराहनीय नहीं बल्कि प्रशंसनीय भी हैं। इंदौर की पहचान साफ-सुथरे शहर से बढ़कर देश में भाषाई पत्रकारिता के क्षेत्र में भी है। मीडिया कॉन्क्लेव से जो निष्कर्ष निकलेगा उसका प्रभाव देश-दुनिया की पत्रकारिता पर भी पड़ेगा।

दैनिक जागरण दिल्ली के वरिष्ठ पत्रकार अनन्त विजय ने कहा कि हमें सबसे पहले यह समझना होगा कि हम साहित्य किसे मान रहे हैं। सिनेमा, रंगमंच, लघुकथा क्या यही साहित्य हैं। आज देश में स्वतंत्र रूप से लिखने वालों की कमी हो गई है। अगर हम यह सोचें कि साहित्य के नाम पर अखबारों में फूहड़ता लिखें तो सच में स्थान की कमी हो गई है। अगर घटिया साहित्य को ही लेखन मान लिया जाएगा तो बचेगा क्या। उन्होंने कहा कि लेखन में आज गुणवत्ता की कमी है। हरीशंकर परसाई, शरद जोशी, श्रीलाल शुक्ल जैसे कितने ही मूर्धन्य साहित्यकार हैं, जिनका आज भी तोड़ नहीं हैं। अगर हम अपनी लेखनी पर स्वयं ध्यान देकर सब आरोप अखबारों पर लगा देंगे तो यह ज्यादती होगी।

एनडीटीवी इंडिया के सीनियर एक्जीक्यूटिव एडिटर प्रियदर्शन ने कहा कि आजादी की जंग में पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यह पत्रकारिता जेलों में गढ़ी गई और उसका अपना संघर्ष रहा है। समय और काल के साथ पत्रकारिता में बड़ा बदलाव आया है, जिससे साहित्य का स्थान अपने आप कम हो गया। आज की कविताओं में न कविता है और ना ही गजल में गजल है। कहानियों से कहानी गायब जो साहित्य के लिए चिंतनीय है। जीवन की घटनाओं से साहित्य का जन्म होता है और साहित्य का अपना दृष्टिकोण भी होता है। वक्त के साथ पत्रकारिता और साहित्य दोनों के दृष्टिकोण बदल गए। आज का साहित्य रसहीन है। आज अखबार तो पढ़े जा रहे हैं, लेकिन मुद्दे की बात यह है कि उसमें छप क्या रहा है। एक दौर था जब पत्रकारिता ही साहित्य का हिस्सा हुआ करती थी। फिर पत्रकारिता में साहित्य का दौर आया और आज दोनों की धुरी अलग-अलग है।

वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार निर्मला भुराड़िया ने कहा कि साहित्य से मनुष्य में चेष्टा जागृत होती थी, लेकिन समय के साथ यह कम हो गई। अखबारों से साहित्य में कमी आई जो चिंता की बात है। कार्पोरेट कल्चर आने के बाद पत्रकारिता से साहित्य दिनों-दिन गुम होता जा रहा है। युवाओं का ध्यान भी साहित्य पर नहीं है, जो चिंतनी है। एक दौर था जब युवाओं में साहित्य के प्रति ललक होती थी, आज यह सब खत्म हो गई। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. स्वाति तिवारी ने कहा कि एक दौर था, जब अखबार भी साहित्य का हिस्सा हुआ करते थे, लेकिन समय के साथ इसमें भी बदलाव आया। अब पत्रकारिता से साहित्य कम होता जा रहा है। किसी घटना को देखकर एक साहित्यकार जो सृजन करता था, उसमें संवेदना हुआ करती थी। यह संवेदना ही समाज को गति प्रदान करती थी, लेकिन आज के साहित्य में संवेदना गायब है। साहित्य की किसी भी विधा की रचना में संवेदना को बचाना जरूरी है, तभी सही मायनों में साहित्य बच सकेगा। आज का समय कॉपी पेस्ट व कट पेस्ट का है और साहित्य में भी यही सब हो रहा है। यही कारण है कि अखबारों से साहित्य कम होता जा रहा है। कार्यक्रम मॉडरेट डॉ. अमिता नीरव थी। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित नईदुनिया के स्टेट एडिटर सदुरुशरण अवस्थी एवं संपादक डॉ. जितेन्द्र व्यास और नवभारत समूह के संपादक क्रांति चतुर्वेदी का स्वागत भी किया गया। अतिथियों का स्वागत मुकेश तिवारी, डॉ. कमल हेतावल, डॉ. ज्योति जैन, सुधाकर सिंह, विनिता तिवारी, संध्या राय चौधरी ने किया। प्रतीक चिन्ह व्योमा मिश्रा, अलका सैनी, वैशाली शर्मा और स्मृति आदित्य ने प्रदान किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्पण जैन ने किया। पद्मश्री भेरूसिंह चौहान के कबीर भजनों ने समां बांधा

इंदौर मीडिया कॉन्क्लेव का अंतिम सत्र कबीर गायक पद्मश्री भेरूसिंह चौहान के नाम रहा। उन्होंने अपनी मखमली और दमदार आवाज में संत कबीर और मीराबाई के भक्ति भरे भजनों को संगीत की लड़ी में पिरो कर संपूर्ण माहौल में समा बांध दिया। श्री चौहान को सुनने में बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी एवं विभिन्न प्रतिनिधि उपस्थित थे।

चित्रकूट प्रभु श्रीराम की तपोस्थली है - मुख्यमंत्री

चित्रकूट, राष्ट्रीय जनभावना।

मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव ने कहा कि चित्रकूट मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की तपोस्थली है, जहां भगवान श्रीराम, माता जानकी और भैया लखन के साथ सदा सर्वदा निवास करते हैं। रामनवमी के दिन मैं तपोभूमि चित्रकूट में आकर धन्य हो गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को श्रीराम प्राकट्य पर्व एवं चित्रकूट गौरव दिवस कार्यक्रम में दीपदान किया। उन्होंने मां मंदाकिनी की पूजा-अर्चना भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंदाकिनी के तट पर भरत घाट में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि आज का दिन सौभाग्यशाली है। आज पवित्र नौवीं तिथि है और कामतानाथ जी की नगरी चित्रकूट अपना गौरव दिवस मना रही है। चित्रकूट के घाटों पर असंख्य दीपदान की अलौकिक छटा दिख रही है। भरत घाट, कामदगिरि पर्वत, कामतानाथ स्वामी मंदिर के साथ चित्रकूट के सभी मंदिरों और घर-घर एवं गली, मोहल्लों, रास्तों में दीपमालाओं की अनुपम छटा देखते ही बन रही है। उन्होंने नगर वासियों को रामनवमी एवं चित्रकूट गौरव दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चित्रकूट में सदुरु सेवा ट्रस्ट, दीनदयाल शोध संस्थान के द्वारा पीड़ित मानवता की सेवा के

लिए नाना जी के संकल्पों को पूरा किए जाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में 19 धार्मिक स्थलों में एक अप्रैल से शराबबंदी लागू कर दी गई है, जिससे हमारे देव स्थानों में विकृतियां न पनपें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास की ओर अग्रसर है। सर्वसम्मति से जो भी निर्णय हो रहे हैं उसे पूरा देश स्वीकार करता है। उन्होंने कहा कि गरीब मुस्लिम भाई-बहनों के लिए संसद में चर्चा व विचार-विमर्श के बाद वक्फ संशोधन विधेयक को स्वीकृति मिली है जो हमारे लोकतंत्र की खूबी को दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी प्रदेशवासी त्यौहार में शुभ संकल्प लें और प्रदेश के विकास के लिए समर्पित हों।

दर्दनाक हादसा- सिपाही को डंपर ने कुचला

मौके पर ही हो गई मौत, वाहन के साथ कई फिट तक बाइक को घसीटता ले गया चालक

इंदौर (नगर संवाददाता)। पुलिस के लाख प्रयास के बाद भी शहर में सड़क हादसे नहीं थम रहे हैं और आए दिन निर्दोष लोग इन हादसों में अपनी जवान गंवा रहे हैं। सोमवार को एक और सड़क हादसा सामने आया। रकीम नंबर 136 के समीप दर्दनाक सड़क हादसे में यातायात के सिपाही की जान चली गई। ड्यूटी से घर लौट रहे सिपाही को पीछे से आ रहे डंपर ने कुचल दिया। हादसे के बाद भी चालक ने डंपर को नहीं रोका और कई फिट तक घसीटता हुआ ले गया बाद में डंपर खड़ा कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस अफसर मौके पर पहुंचे और शव को पीएम के लिए अस्पताल पहुंचाया और डंपर को जब्त कर लिया। डीसीपी अभिनय विश्वकर्मा ने बताया कि हादसा सोमवार दोपहर करीब 12 बजे का है। यातायात थाना पूर्वी में पदस्थ 24 वर्षीय अजय पिता संतोष कुमार शर्मा मूल निवासी शिवपुरी की ड्यूटी देवास नाके पर लगी थी। वह ड्यूटी खत्म होने के बाद अपने कमरे पर बाइक पर सवार होकर लौट रहे थे। वह स्कीम नंबर 136 के समीप पहुंचे ही थे कि पीछे से तेज गति से आ रहे डंपर (एमपी 09 एच 7833) ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर लगने के बाद वह बाइक सहित डंपर में फंस गए और इस दौरान डंपर चालक उन्हें कई फीट तक बाइक सहित घीसटता हुआ ले गया।

पटाखा फैक्ट्री ब्लास्ट मामले में फरार ठेकेदार गिरफ्तार

इंदौर (नगर संवाददाता)। गुजरात के बनासकांठा जिले में एक अप्रैल को हुए पटाखा फैक्ट्री ब्लास्ट मामले में फरार चल रहे मजदूरों के ठेकेदार को इंदौर से पकड़ लिया है। आरोपी को पकड़ने दो दिन से गुजरात पुलिस इंदौर आई हुई थी। विस्फोट में 22 लोगों की मौत हो गई थी। मामले में कुछ आरोपी घटना के तुरंत बाद पकड़ा गए थे, लेकिन ठेकेदार फरार हो गया था। पकड़े गए आरोपी का नाम हरीश मेघवानी है। उसने डीसा शहर के पास औद्योगिक क्षेत्र में स्थित अवैध इकाई में काम करने के लिए मप्र से मजदूरों की आपूर्ति की थी। डीसा थाने के डीएसपी सीएल सोलंकी के अनुसार, आरोपी हरीश मेघवानी मप्र से मजदूरों की आपूर्ति करने के लिए जिम्मेदार था। पुलिस ने पहले गोदाम के मालिक पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया था। भीषण विस्फोट और आग में दो अन्य श्रमिक ठेकेदार लक्ष्मी और पंकज की मौत हो गई थी। विस्फोट के बाद 21 लोगों की मौत हो गई।

बड़े भाई ने मारा चाकू

इंदौर। बड़े भाई ने छोटे भाई को चाकू मारकर घायल कर दिया। गाड़ी ले जाने की बात पर दोनो भाइयों के बीच कहासुनी हुई थी। पलासिया पुलिस ने विनोबा नगर में रहने वाले विकास पिता खुशाल सिंह राणा की शिकायत पर उसके बड़े भाई संजय राणा के खिलाफ केस दर्ज किया है।फरियादी ने पुलिस को बताया कि टिफिन बांटने की बात को लेकर मेरे बड़े भाई संजय राणा मुझसे बोले की तु टिफीन बांटने के लिए गाड़ी नहीं ले जाएगा लेकिन मैं पापा की एक्टिवा से टिफीन बांटने जाने लगा तो मेरा भाई संजय घर में से सब्जी काटने का चाकू लेकर मेरे पास आया हमला कर दिया।

पत्नी और साले ने कर दी पिटाई, महिला ने भी पति पर लगाए मारपीट के आरोप

इंदौर (नगर संवाददाता)। एक व्यक्ति की उसकी पत्नी और साले ने पिटाई कर दी। पत्नी ने भी पति पर मारपीट के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने दोनों पक्षों पर केस दर्ज किया है। चंदन नगर पुलिस ने बताया कि सिरपुर निवासी जाकिर पिता आमीन गोरी की शिकायत पर उसकी पत्नी जरीना और साले मोहसिन के खिलाफ केस दर्ज किया है। फरियादी ने बताया कि मैं मेरी पत्नी जरीना को ढूंढने गया था। तभी ससी और मेरा साला मोहसीन घर आ गए थे। मैं लौटा तो पूछा कि कहां गई थी तो दोनों ने गालियां दी और मारपीट की। दूसरे पक्ष की ओर से जरीना की रिपोर्ट पर भी पति जाकिर के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज किया है। इसी प्रकार परिचित ने फरियादी की चाबी लगी स्कूटी वैन को स्टार्ट कर दिया। इससे अनियंत्रित वैन ईंटों के ढेर में जा घुसी। जब फरियादी ने टोका तो आरोपी और उसके पिता ने मिलकर मारपीट कर दी। द्वारकापुरी पुलिस के मुताबिक घटना त्रयि पैलेस की है।

जल संरक्षण को लेकर दीवार लेखन के माध्यम से ग्रामीणों को किया जागरूक

रतलाम। म.प्र. जनअभियान परिषद जावरा की नवांकुर संस्था श्रीमती सरोज वेलफेयर सोसायटी द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला समन्वयक रत्नेश विजयवर्गीय एवं ब्लॉक समन्वयक श्री युवराज सिंह पंवार के मार्गदर्शन में आदर्श ग्राम गुर्जरबड़िया में संपन्न हुआ। अभियान के तहत गांव में दीवार लेखन के माध्यम से जल संरक्षण से जुड़े प्रेरणादायक स्लोगन लिखे गए। इसका उद्देश्य ग्रामीणों को जल बचाने और उसके सतत उपयोग के प्रति जागरूक करना है। दीवारों पर लिखे स्लोगन में जल ही जीवन है, पानी बचाओ जीवन बचाओ जैसे संदेशों के माध्यम से लोगों को पानी की महत्ता बताई गई। परामर्शदाता अर्पित शिकारी नवांकुर संस्था के रमेश धाकड़, शुभम शर्मा, गोपाल सिंह राठौर, राजेन्द्र गुर्जर, मनोहर ने बताया कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल को संरक्षित करना हम सभी की जिम्मेदारी है, इस प्रकार के अभियान ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। कार्यक्रम में ग्रामवासियों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की और जल संरक्षण की दिशा में प्रयास करने का संकल्प

आयुष्मान आरोग्य मंदिर चावडाखेडी का असिसमेंट किया गया

रतलाम। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. संध्या बेलसरे ने बताया कि सैलाना विकासखण्ड के अन्तर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर (हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर) चावडाखेडी का नेशनल क्वालिटी असिसमेंट सर्टिफिकेशन के निर्धारित मापदण्ड अनुसार असिसमेंट श्री प्रेमांशु पंड्या और डा. कोमल कुमार पटवा के निर्देशन में किया गया। असिसमेंट के उपरांत अपेक्षित अंक प्राप्त होने पर संस्था को नेशनल क्वालिटी असिसमेंट का प्रमाण पत्र प्राप्त हो सकेगा। इस अवसर पर सीपीएचसी कन्सलटेंट डा. संकल्प श्रीवास्तव, बीपीएम श्री धनसिंह रावत, सीएचओ रेखा कटारा, प्रशांत दवे, एएनएम प्रमिला कछवा तथा आशा कार्यकर्ता आदि उपस्थित रहे।

पैट्रोल पंप डकैती की योजना बनाने वाले अंतर्राज्यीय कंजर गैंग को पकड़ा

रतलाम। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार (भा.पु.से.) द्वारा थाना क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरतने, प्रभावी गश्त करने, चोरी डकैती की घटनाओं पर अंकुश लगाने और क्षेत्र में आने जाने वाले संदिग्धों पर नजर रखने तथा किसी भी अवैधानिक गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर कड़ी वैधानिक कारवाई करने के निर्देश दिये गए हैं। इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) किशोर पाटनवाला के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नामली पी.आर. डाबरे के नेतृत्व में थाना नामली पुलिस द्वारा मुखबिर सूचना के आधार पर फोरलेन रोड़ स्थित पैट्रोल पंप पर डकैती करने की योजना बनाने वाले अंतर्गज्यित कंजर गैंग के आरोपी को गिरफ्तार कर व अवैध हथियार जप्त करने में सफलता पाई हैं। मुखबिर की सूचना पर नामली से जावरा फोरलेन रोड़ पर एक तुफान गाड़ी में सात व्यक्तियों द्वारा पैट्रोल पंप पर डकैती डालने की योजना बना रहे हैं, जो डकैती कर गंभीर घटना घटित कर सकते हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल थाना नामली पुलिस मौके पर पहुँचे जिन्हे फोरलेन रोड़ किनारे एक तुफान गाड़ी खड़ी दिखी जिसमें 7 संदिग्ध व्यक्ति बैठे दिखे जो बी मार्ट के सामने पैट्रोल पंप लुटने की योजना बना रहे थे, पुलिस ने घेराबंदी की तो तुफान में बैठे सभी व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगे, जिन्हे पकड़ने के भरसक प्रयास कर एक संदेही सोनुलाल पिता लक्ष्मीनारायण देवडा जाति कंजर उम्र 19 साल निवासी ग्राम टोकडा थाना उन्हेल नागेश्वर जिला झालावाड़ (राजस्थान) को पकड़ा तथा अन्य 6 व्यक्ति रात के अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गये। सोनुलाल के कब्जे से एक देशी कट्टा लोडेड मय एक जिंदा राउण्ड जप्त किया गया तथा तुफान गाड़ी की तलाशी के दौरान लोहे की एक टामी, लोहे का सब्बल व लकडी भी जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया हैं। गिरफ्तारशुदा आरोपी सोनुलाल पिता लक्ष्मीनारायण देवडा जाति कंजर से हिकमतअमली से पुछताछ पर उसने अपने भागने वाले साथी नरेश पिता जसवंत झाला जाति कंजर, तुफान पिता सोहन कंजर, राजन पिता उदयसिंह कंजर, सुनील पिता पप्पु कंजर, रोहित पिता लखन कंजर, महिपाल कंजर सभी निवासीगण ग्राम टोकडा थाना उन्हेल नागेश्वर जिला झालावाड राजस्थान के होना बताया व सभी मिलकर पैट्रोल पंप पर डकैती करने की योजना बनाना स्वीकार किया। आरोपियों के विरूद्ध अप.क्र.145/2025 धारा 310(4),310(5),310(6) बीएनएस व 25 आर्म्स एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

गिरफ्तारशुदा आरोपी से अन्य अपराधों के संबंध में पुछताछ की जा रही हैं।

गिरफ्तार आरोपी- 1. सोनुलाल पिता लक्ष्मीनारायण देवडा जाति कंजर उम्र 19 साल निवासी ग्राम टोकडा थाना उन्हेल नागेश्वर जिला झालावाड (राजस्थान)

जप्त मशुका- 1. एक देशी कट्टा लोडेड मय एक जिंदा राउण्ड किमती 10,000/- रुपये

2.लोहे की एक टामी, लोहे का सब्बल व एक लकडी

3.तुफान वाहन क्रमांक MP-vv-BE-1099 किमती 09 लाख रुपये

कुल जप्तशुदा मशुका किमती करीबन 9 लाख दस हजार रुपये।

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर ग्राम सागौद में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विधायक डामर ने जल संरक्षण की शपथ दिलाई

रतलाम।

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर ग्राम सागौद में म.प्र. जन अभियान परिषद विकासखण्ड की नवांकुर संस्था श्रेष्ठ नवनिर्माण फाउंडेशन व जय माँ अंबे शक्ति सामाजिक सेवा समिति ग्राम सागोद के संयुक्त तत्वाधान स्वास्थ्य जांच शिविर व जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शपथ व चौपाल पर जल संरक्षण पर विचार विमर्श कर ग्राम कूपें एवं जल स्त्रोतों के संरक्षण व संवर्धन करने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, क्षेत्रीय विधायक मथुरालाल डामर, विशेष अतिथि एमआईएस सदस्य विशाल शर्मा, परिषद के जिला समन्वयक रत्नेश विजयवर्गीय, समाजसेवी राकेश मिश्रा, अशोक धाकड़, परिषद के विकासखण्ड समन्वयक शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, सागोद सरपंच कैलाश खदेड़ा समाजसेवी राकेश पाटीदार उपस्थित रहे। प्रदीप उपाध्याय ने कहा कि आज विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जा रहा है, प्रदेश सरकार ने स्वास्थ्य के हर क्षेत्र कार्य किया है, जिससे लगातार जिलें में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हो रहा है तथा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पौधारोपण, नदी, नालों, ऐतिहासिक एवं पारम्परिक जल संरचनाओं, तालाब, कुंओं, बावडियों आदि के संरक्षण एवं

पुनर्जीवन का कार्य किया जा रहा है। विधायक श्री डामर ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जून तक संचालित हो रहा है, हम सबको मिलकर जल स्त्रोत कुऐं, बावडी, तालाब, नदी, आदि का संरक्षण करना होगा, आज विश्व स्वास्थ दिवस है तो स्वस्थ शुरूआत और आशाजनक भविष्य इस वर्ष की थीम है, प्रदेश सरकार के द्वारा हर वर्ग के नागरिकों के लियें स्वास्थ सुविधाओं और योजनाओं का विस्तार किया गया है ताकि मध्यप्रदेश स्वस्थ प्रदेश अग्रणी रहे। विशाल शर्मा ने कहा कि पुरातन बावडियों, तालाबों, कुए हमारी संस्कृति से जुड़ें है इनको सहजना हमसब की जिम्मेदारी है नगर निगम रतलाम के द्वारा इस दिशा में लगातार कार्य कियें जा रहे है। समाज के सभी वर्गों के लोग इस अभियान में सहयोग कर रहे हैं और श्रमदान कर जल स्त्रोतों की सफाई में योगदान दे रहे हैं। कार्यक्रम में समिति के संरक्षक विजय पाटीदार, अध्यक्ष डॉ. प्रकाश शर्मा, नवांकुर संस्था सचिव नरेन्द्र श्रेष्ठ, योगेश जाट, निखिलेश सोनी, अमन माहेश्वरी, भूपेन्द्र गहलोत, सचिन सहित प्रस्फुटन समिति के कार्यकर्ता, नेतृत्व विकास पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं की सराहनीय भूमिका रही।

दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस वे पर फिर हुई पत्थरबाजी

थांदला टोल नाका क्रास करने के बाद कार पर हुआ पथराव; पत्नी को छोड़ कर आ रहे थे सैलाना

रतलाम।

जिले से गुजर रहे दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस वे पर पत्थरबाजी रुकने का नाम नहीं ले रही है। रविवार रात झाबुआ जिले के थांदला टोल गेट से 6 किमी दूर रतलाम क्षेत्र में कार पर पत्थरबाजी हुई। कार ड्राइवर ने सूझबूझ दिखाते हुए कार को नहीं रोका। सीधे धामनोद (रतलाम) टोल नाके पर आकर रोका। धामनोद पुलिस चौकी पर पत्थर बाजी की सूचना दी। पत्थर लगने से कार के आगे के कांच टूट गए।

अकील खान पिता नूरमोहम्मद खान पठान निवासी शेखजी मोहल्ला सैलाना पत्नी अमरीन को मायके छोड़ने थांदला गए थे। वापस लौटने के दौरान रविवार रात 8 बजे दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे के थांदला टोल गेट क्रॉस कर रतलाम के क्षेत्र में पहुंचे। अचानक से कार पर पथराव हुआ। कार पर दो पत्थर लगे। आगे का कांच दोनों साइड

से फूट गया। कांच के टुकड़े कार में बिखर गए।

ड्राइवर ने हिम्मत दिखाई

अचानक हुए पथराव से कार ड्रायवर सद्दाम शाह हिम्मत दिखाते हुए कार को नहीं रोकते हुए स्पीड बढ़ा दी। पत्थरबाजी वाली जगह से ड्राइवर कार को स्पीड से लेकर निकला। सीधे धामनोद टोल नाके पर ही आकर रुका। यहां टोलकर्मियों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद कार में सवार अकील खान ने देर रात धामनोद पुलिस चौकी पहुंचकर आवेदन दिया।

कार रोकते हो सकता था हादसा

अकील खान ने बताया पथराव के बाद यदि ड्राइवर का बैलेंस बिगड़ता तो बड़ी घटना हो सकती थी। पत्थर इतनी स्पीड से आए थे कि मुझे या ड्राइवर दोनों में से किसी को भी सिर में लगता तो जान जा सकती थी। धामनोद चौकी प्रभारी आनंद बागवान ने बताया की आवेदन लिया है। प्रथमदृष्टया घटनास्थल थांदला थाना क्षेत्र का लग रहा है। संबंधित थाना क्षेत्र को इस बारे में सूचना दी है। वरिष्ठ अधिकारियों को भी जानकारी दी है। हम भी पत्थरबाजों की तलाश कर रहे है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर ग्रामसभाओं का आयोजन किया गया

रतलाम। अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी निर्देशक शर्मा के निर्देशानुसार पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, महिला बाल विकास विभाग तथा शिक्षा विभाग के संयुक्त प्रयासों से जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में विश्व स्वास्थ्य दिवस 7 अप्रैल के अवसर पर ग्रामसभाओं का आयोजन कर बाल सभाओं के दौरान पोषण प्रतिज्ञा ली गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. संध्या बेलसरे ने बताया कि इस वर्ष की थीम स्वस्थ शुरुआत-आशाजनक भविष्य' निर्धारित की गई है। ग्राम पंचायत लूलेरा, गुडभेली, देवली, हाटपिपलिया, पीर हिंगोरिया, आम्बोदिया, गढीगमना, आडापंथ, उमर, मुण्डलाकलां, भामट, शिवपुर आदि में बच्चों के रक्त की जांच कर वजन, ऊंचाई, सही पोषण लेने और स्वास्थ्य जीवनशैली अपनाने संबंधी गतिविधियां की गई। इस अवसर पर आइए हम नियमित आयरन, फोलिक एसिड, पूरकता, कृमिनाशन और सुरक्षित जल प्रथाओं के माध्यम से अनीमिया और कृमि संक्रमण से लडने का संकल्प लें। स्वस्थ भविष्य की नींव मजबूत स्वास्थ्य से शुरु होती है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में निवेश करना सभी के लिए एक स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ग्रामसभाओं के दौरान जिले के विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, एएनएम, आशा कार्यकर्ता, पंचायत सचिव, आंगनवाडी कार्यकर्ता, स्कूली शिक्षक आदि उपस्थित रहे।

गांव कमेड में पुराने विवाद पर हिंसा

रतलाम। जिले के एक गांव में दो पक्षों में हुए विवाद के बाद सोमवार को तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। विवाद में पहले एक पक्ष द्वारा चाकूबाजी की गई। जब दूसरे पक्ष को इस बारे में बता चला तो गांव में एक गुमटी में आग लगा दी। दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए। सूचना मिलते ही गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया। पुलिस के आला अधिकारी गांव में पहुंचे। विवाद बिलपांक थाना क्षेत्र के गांव कमेड में हुआ है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार गांव के वली मोहम्मद नाम के युवक ने लाल सिंह नाम के व्यक्ति पर चाकू से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। दोनों में पुराना विवाद था। सुबह जब इस बात की जानकारी गांव वालों को लगी तो वे आक्रोशित हो गए। कुछ लोगों ने चाकू मारने वाले की पंचर की गुमटी में आग लगा दी। पथराव भी हुआ। नारेबाजी होने लगी। सूचना मिलते ही बिलपांक थाना प्रभारी अयूब खान पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। लोगों को समझाने की कोशिश की। सीनियर अधिकारियों को घटनाक्रम की जानकारी दी। गुमटी में आग लगने के बाद रतलाम से फायर लॉरी भेज कर आग बुझाई गई। एएसपी राकेश खाखा, सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया, एसडीओपी किशोर पाटनवाला समेत समेत प्रशासनिक अधिकारी भी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे हैं। सभी अधिकारी गांव में मौजूद हैं। अभी पूरी तरह से शांति है।

बरबड़ हनुमान मेले का आज होगा भव्य शुभारंभ

मेले में प्रतिदिन रात्री में आयोजित होंगे गरीमामयी सांस्कृतिक कार्यक्रम

रतलाम।

बरबड़ मेला परिसर में 8 से 12 अप्रैल तक आयोजित होने वाले 5 दिवसीय बरबड़ हनुमान मेले का भव्य शुभारंभ आज 8 अप्रैल मंगलवार को सांय 5 बजे बरबड़ हनुमान मंदिर पर सांय 5 बजे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, मंत्री मध्यप्रदेश शासन एवं विधायक रतलाम शहर चेतन्य काश्यप व सांसद, रतलाम-झाबुआ श्रीमती अनिता-नागरसिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य, महापौर प्रहलाद पटेल की अध्यक्षता, पूर्व गृह मंत्री हिम्मत कोठारी, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, निगम अध्यक्ष श्रीमती मनीषा शर्मा के विशेष आतिथ्य, नेता पक्ष भगतसिंह भदौरिया, सामान्य प्रशासन समिति प्रभारी धर्मेन्द्र व्यास, राजस्व समिति प्रभारी दिलीप कुमार गांधी, महापौर परिषद सदस्य पप्पू पुरोहित, श्रीमती अनिता कटारा, विशाल शर्मा, अक्षय संघवी, मनोहरलाल राजू सोनी, रामू भाई डाबी, श्रीमती सपना त्रिपाठी, क्षेत्रिय पार्षद श्रीमती निशा-पवन सोमानी व पार्षदगणों की उपस्थिति में विधिवत् पूजा-अर्चना के साथ किया जावेगा।

सामान्य प्रशासन समिति प्रभारी श्री धर्मेन्द्र व्यास ने मेले में निगम रंगमंच पर आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि 8 अप्रैल मंगलवार को सांयकाल 7-30 बजे से जीतू धोरा द्वारा खाटू श्याम की भजन संध्या, 9 अप्रैल बुधवार को आकृति मिश्रा की भव्य भजन संध्या, 10 अप्रैल गुरूवार को निषेध सोनी का लाफ्टर शो व आर्केस्ट्रा, 11 अप्रैल शुक्रवार को प्रीति पुरोहित की सिंगिंग नाईट तथा मेले के अंतिम दिन 12 अप्रैल शनिवार को हनुमान जयंती पर हनुमान जन्मोत्सव नृत्य नाटिका का आयोजन किया गया है।

महापौर माननीय प्रहलाद पटेल, निगम अध्यक्ष श्रीमती मनीषा शर्मा, निगम आयुक्त हिमांशु भट्ट, नेता पक्ष भगतसिंह भदौरिया, सामान्य प्रशासन समिति प्रभारी धर्मेन्द्र व्यास, राजस्व समिति प्रभारी दिलीप कुमार गांधी, महापौर परिषद सदस्य पप्पू पुरोहित, श्रीमती अनिता कटारा, अक्षय संघवी, विशाल शर्मा, मनोहरलाल राजू सोनी, रामू भाई डाबी, श्रीमती सपना त्रिपाठी, क्षेत्रिय पार्षद श्रीमती निशा-पवन सोमानी, सामान्य प्रशासन समिति सदस्य परमानन्द योगी पंडित, बलराम भट्ट, श्रीमती कविता चौहान, श्रीमती धीरजकुवंर-किशोरसिंह राठौर, श्रीमती प्रीति-संजय कसेरा, श्रीमती कविता-सुनील महावर, श्रीमती मनीषा-विजयसिंह चौहान, राजस्व समिति सदस्य रणजीत टांक, योगेश पापटवाल, श्रीमती निशा-पवन सोमानी, श्रीमती स्मिता-राजेश माहेश्वरी, श्रीमती अनिता-वसावा, श्रीमती भावना-हितेश पैमाल, श्रीमती उमा-रामचन्द्र डोई एवं समस्त पार्षदगणों ने नागरिकों से अपील की है कि मेला शुभारंभ एवं बरबड़ मेले मे प्रतिदिन रात्रि में निगम रंगमंच पर आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अधिकाधिक की संख्या में उपस्थित रहकर आयोजित कार्यक्रमों को सफल बनावें।

रतलाम: प्रसिद्ध गोठड़ा माताजी मंदिर में नवमी पर हर साल की तरह हुई भविष्यवाणी

सुनने के लिए हजारों की संख्या में पहुंचे भक्तराजा ,नही बदलेगा आपसी में रहेगी खिचतान

रतलाम।

जिले की सीमा से लगे हुए प्रसिद्ध गोठड़ा माताजी मंदिर में नवमी पर भविष्यवाणी की गई। हर साल की तरह मां महिषासुर मर्दनी के दर्शनों और भविष्य वाणी को सुनने के लिए मंदिर परिसर में हजारों की संख्या में भक्त पहुंचे।

यहां के पंडित (पंडाजी) रामचंद्रजी ने इस वर्ष भी नवमी पर हर साल की तरह भविष्यवाणी में साल में होने वाली कई बातों का पूर्वानुमान बताया। उन्होंने कहा कि आने वाले साल में राजा नही बदलेगा लेकिन अपसी खीचंतान बहुत रहेगी। राजनीति में उठापटक होगी, दंगे फसाद भी होंगें। दुर्घटनाएं बहुत होगी, इसलिए संभल कर रहे।

इस वर्ष गर्मी बहुत पड़ेगी जिससे कई जगह आग लगेगी। गर्मी से वाहनो में भी आग लगेगी। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि वैसाख में हवा के साथ बारिश होगी। असाढ़ में आंधी तूफान से जन-धन का खूब नुकसान होगा।

आने वाले साल में गर्मी भी

बहुत पड़ेगी और लोग परेशान हो जाएंगे। ओले खूब गिरेंगे और मावठे की बारिश भी होगी। बारिश भी जल्द ही आ जाएगी, लेकिन शुरूआती बारिश में बोवाई न करें। खंड वर्षा होगी, दो बोवनी होगी। अच्छी बारिश होगी फिर भी कई जगह सुखा भी रहेगा। अन्य जगह अच्छी बारिश होगी। लहसुन और प्याज के भाव अच्छे रहेंगें। सोयाबीन में इल्ली का प्रकोप रहेगा। सोना चांदी का भाव मिडियम रहेगी।

मटर, टमाटर, चना, मिर्च सहित सभी फसलो के भाव अच्छे रहेंगें। बीमारियां फैलेंगी, इसलिए यज्ञ आदि कार्य करना। कुल देवताओ की पूजा करना। अच्छी बात यह भी रहेगी कि सभी प्रकार की फसलें आने वाले साल में अच्छी होंगी। फसलों का उत्पादन भी अच्छा होगा, परंतु धैर्य रखना पड़ेगा।

सदियों से होती है भविष्यवाणी सुनने आते हैं बड़े-बड़े लोग

उल्लेखनीय है कि माता के इस धाम से दशकों नहीं बल्कि सदियों से पंडित द्वारा भविष्यवाणी की जाती है। इसे सुनने और मानने वालों की संख्या भी हजारों लाखों में है। पूरे प्रदेश और मालवा सहित जिलेभर के भक्त यहां पंहुचते हैं। पंहुचने वालों में सांसद, विधायकों के लेकर उद्योगपति, अधिकारी तक शामिल होते हैं।

जंगल में आग की घटना, समतल पहाड़ियों को हरा-भरा करे

वन्य प्राणियों की सुरक्षा के कदम पड़ोसी जिले की घटना से सबक ले, सीबीजे से जांच कराये

अशोक पंडित

बड़वानी। पिछले दिनों बड़वानी क्षेत्र के बोकराटा मार्ग पर अचानक आग लगने की घटना से वन्य प्राणी प्रेमियों को बड़ा दुरूख हुआ। शासन से मांग है कि ऐसी घटना दुबारा न हो बोकराटा क्षेत्र में खेतिया मार्ग पर पत्थर गिरने के लिए प्लास्टिक सुरक्षा कवच पहुंचाया, लेकिन किसी ने इसमें आग लगा दी। वहीं किसी राहगीर द्वारा बोकराटा खेतिया मार्ग किनारे कोई जलती तिली फेंगी ओगी तो वहां पर भी आग की घटना घटी। इसी प्रकार आग की घटनाओं से से वन्य प्राणियों को बड़ी आघात पहुंची है, लेकिन इस घटना को लेकर विभाग के अधिकारियों पर कोई जू तक नहीं रेंगी।

क्षेत्र के लोगो से पूछा कि इधर आग लगने की घटना पर वरिष्ठ अधिकारी और विभाग के अधिकारियों को सूचना क्यों नहीं दी, तो क्षेत्र के लोगों का एक ही जवाब था कि वन विभाग के अमला मुख्यालय पर नहीं रहता। साथ ही अपना मोबाईल भी बंद रखते हैं। आमजनों एवं पुलिस विभाग के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। वन विभाग तो सिर्फ अपना मतलब साधते हैं। क्षेत्र के जनप्रतिधिनियों द्वारा प्रदेश के वन मंत्री एवं मुख्यमंत्री को इस घटना की जानकारी पत्र द्वारा भेजी भी है तथा इसके दोषी वन विभाग के अमले पर कार्रवाई की मांग की है।

समतल पहाडियों को जंगल बनाए

क्षेत्र के लोगों एवं वन्य प्राणी प्रेमियों का कहना है कि जंगल में कई ऐसी पहाड़ियां हैं, जो आसपास से समतल है। ऐसी पहाड़ियों को चिंहित कर चारों तरफ बड़े कटाव कर बिच में जंगल स्वरूप दे। ताकि कोई भी व्यक्ति या जानवर पौधों को नुकसान नहीं पहुंचाए। वहीं बरसात का पानी अच्छा एकत्रित हो। साथ ही पहाड़ियों को ऐसा चिरे की पानी

का रिसवा समतल पहाड़ियों पर लगे पौधों को मिलता रहे। जिससे छोटे-छोटे जंगल से बड़े जंगलों का स्वरूप बने।

वहीं लम्बबी उम्र के पौधे जैसे बड़, पीपल, निम के साथ कुछ फ्लों के पौधे भी लगाए, ताकि कुछ वन्य प्राणियों को फ्ल का स्वाद भी मिले। वहीं जंगलों के चारों तरफ काटेदार पौधे हो, जिससे अन्य व्यक्ति बने जंगलों में जाए। वहीं क्षेत्र में अक्सर देखा जा रहा है कि समतल पहाड़ियों पर विभाग के ही कर्मचारियों द्वारा अवैध तरीके से जंगल को खेत बनाने की लालच में उन्हें पट्टे दे दिए जा रहे हैं। वहीं क्षेत्र के नेता भी अपने वोट की खातीर उन्हें पट्टे के लिए प्रेरित करते हैं। जंगलों में पट्टा वितरण बंद होना चाहिए। यदि जंगलों में खेती और पट्टे देंगे तो वन्य प्राणी कहां जाएंगे।

सामाजिक संस्थाएं पहाड़ियों को गोद ले

क्षेत्र की सामाजिक संस्थएं भी जंगल की पहाड़ियों को गोद लेकर उसे हरी-भरी बनाने में विभाग को सहयोग करें। वहीं विभाग को भी चाहिए कि ऐसी संस्था ऐसे एंजियो को क्षेत्र के जंगल की पहाड़ियां जंगल बनाने में मदद करें। जिससे क्षेत्र की विरान पहाड़ियां हरी-भर हो।

पड़ोसी जिले की में तेंदुए की हत्या की निंदा

क्षेत्र के वन्य प्राणी प्रेमियों ने धार जिले के बाग क्षेत्र में तेंदुए की हत्या की घटना की निंदा की है। वन्य प्राणी प्रेमियों द्वारा बाग में तेंदुए की हत्या कर उसे अंगभंग कर दांत निकालने वाले व्यक्ति की खोज तत्काल करें और उसे तत्काल हत्या वाले स्थान पर फांसी की सजा दी जानी चाहिए। इस संबंध में प्रदेश के वनमंत्री एवं वन सचिव एवं मुख्यमंत्री को पत्र द्वारा सूचना देकर राज्यपाल के नाम ज्ञापन दिया जा रहा है। वहीं जवाबदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जानी चाहिए की मांग की है।

उत्सव उमंग हर्षोउल्लास के साथ स्थापना दिवस मनाया गया

बड़वानी। पानसेमल विधायक जनसंपर्क कार्यालय पर भारतीय जनता पार्टी मंडल पानसेमल की स्थापना दिवस को लेकर बैठक आयोजित की गई। जिसमें नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र से बड़ी संख्या में वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सर्वप्रथम परम श्रद्धे पंडित दीनदयाल जी उपाध्याय एवं श्री श्यामा प्रसाद जी मुखर्जी तथा देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेई जी के चित्र पर मल्यार्पण कर कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर विधानसभा के जन प्रिय विधायक माननीय श्री श्याम जी बरडे ने अपने उद्बोधन में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा की आज भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस है और हम हमारे मार्गदर्शक परम श्रद्धेय पंडित दीनदयाल जी के बताएं मार्ग पर चलकर जिस विचारधारा को लेकर जिस दल के माध्यम से आज समाज में जो सेवा का कार्य कर रहे हैं वह सपना है एकात्म मानववाद समाज के गरीब की पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजना नहीं पहुंचती है। तब तक समाज का ना भला होगा ना उत्थान होगा अगर हमें भारत माता को परम वैभव शाली बनाना हो तो समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंच कर गांव गरीब मजदूर किसान के जीवन में उजाला फैलाना होगा तभी हम हमारे सपनों का नया भारत बना सकेंगे इसी उद्देश्य को लेकर हम देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के बुला इरादों के साथ आगे बढ़ना होगा और भारत को विश्व गुरु बनाकर वसुदेव कुटुंबकम के मूल मंत्र के साथ आगे बढ़ना होगा। आज जो भारतीय जनता पार्टी एक इतने बड़े विशाल व्रत पक्ष के रूप में विश्व का सबसे बड़ा बड़ा दल बना है इसमें लाखों लाख कार्यकर्ताओं का बलिदान त्याग तपस्या और मेहनत का परिणाम है।

इसलिए आज हम भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर अपने आप को भाग्यशाली मानते हैं। अंत में माननीय विधायक जी ने सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं वरिष्ठ नेताओं को प्रभु श्री राम के जन्म दिवस के अवसर पर रामनवमी एवं भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी कार्यक्रम में वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं नेता श्री प्रभु जी रामोड अल्पसंख्यक मोर्चे के पूर्व जिला अध्यक्ष इस्माइल जी आजाद युवा मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष राम जी सोनवने अपने विचार रख कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन श्री प्रकाश जी जोशी ने किया कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नेता देवराज जी पाटिल, सचिन जी चौहान, मन्ना जी शुक्ला, मुरली साटोटे, देवदास जी साटोटे, प्रेम सिंह पटेल, जयप्रकाश पाटिल, जगदीश भंडारी, संजू जी सावले, विक्की शिरसाट, भूपेश सावले, गोलू ठाकुर, मंगल सामेशाह, धनाभाई पटेल, अजमल राठौर, ललित सोनीस, दिनेश जाधव, निलेश सिंगोरिया एवं कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

चार न्यायाधीश का स्थानांतरण

समारोह आयोजित कर अभिभाषक संघ ने दी बिदाई

बड़वानी। जिला न्यायालय के 4 न्यायाधीश का स्थानांतरण होने से अभिभाषक संघ द्वारा बिदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि प्रधान जिला न्यायाधीश महेंद्र कुमार जैन रहे। वहीं विशेष अतिथि के रूप में विशेष न्यायाधीश रईस खान उपस्थित थे। वहीं अध्यक्षता अभिभाषक संघ अध्यक्ष पुरुषोत्तम मुकाती ने की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फैमिली कोर्ट की प्रधान न्यायाधीश श्रीमती मैरी मारग्रेट फ्रांसिस डेविड, जिला न्यायाधीश श्रीमती संध्या श्रीवास्तव, व्यवहार न्यायाधीश विनय जैन, व्यवहार न्यायाधीश श्रीमती पूजा जैन का स्थानांतरण हुआ है। कार्यक्रम के दौरान उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया और बिदाई दी गई। बिदाई समारोह में शंकरलाल यादव उपाध्यक्ष, दीपक चौहान सह सचिव, महेश वैष्णव, जुल्फिकार कुरैशी, शादाब खान, शाकिर शेख, महेश राठौड़, जेसी शर्मा, एमए शेख, केटी मंडलोई, केएस शेख आदि अधिवक्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अभिभाषक संघ के सचिव एडवोकेट नदीम शेख ने किया।

सैफी ब्लड फाउंडेशन के सदस्यों ने बांटी खुशियां, जोएब आसिफके जन्मदिन पर किया रक्तदान

बड़वानी। सैफी ब्लड फाउंडेशन के जोएब आसिफने अपने जन्मदिन पर रूप के 10 सदस्यों के साथ रक्तदान किया। सभी सदस्यों ने जन्मदिन की खुशियां जरूरतमंदों के लिए रक्तदान कर मनाई। साथ ही अन्य लोगों को भी जागरूक करते हुए रक्तदान करने की अपील की। सदस्यों ने कहा कि रक्तदान से शरीर में किसी भी तरह की परेशानी नहीं होती है। रक्तदान से जहां हमारे शरीर में नए रक्त का संचार होने लगता है, वहीं हमारे द्वारा किए गए रक्तदान से किसी जरूरतमंदर के जीवन में खुशियां लौट आती हैं। सभी साथियों ने जिला ब्लड बैंक पहुंच अपना रक्त जमा कराया है। वहीं जोएब आसिफके जीवन का यह 35वां रक्तदान है। सैफी ब्लड फाउंडेशन बड़वानी का एक ही मकसद है खून की कमी से जुझते हुए चिरागों का जीवन अपने लहू से रोशन करना। इस अवसर पर अजीत जैन, मजाहिर आदिल भी उपस्थित थे। वहीं लैब टेक्नीशियन मनीष, सहदेव और दर्शन जोशी ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया।

जिला दण्डाधिकारी ने 1 व्यक्ति को किया जिला बदर

बड़वानी। जिला दण्डाधिकारी गुंचा सनोबर ने पुलिस रिपोर्ट के आधार पर 1 व्यक्ति को मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत जिला बदर किया है। जिला बदर की अवधि में यह व्यक्ति राजस्व सीमा बड़वानी एवं उसके समीपवर्ती जिले धार, झाबुआ, अलिराजपुर, खरगोन, खण्डवा, बुरहानपुर, की राजस्व सीमा में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। जिला कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला दंडाधिकारी ने बड़दा बसाहट निवासी बादल पिता रेवाराम सूर्यवंशी को 3 माह के लिए जिला बदर किया है। आदेश में यह भी उल्लेखित किया है ।

संस्थाओं के पुनर्गठन के लिए ग्रामों में होगी विशेष आमसभा

बड़वानी। मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा 16(12) के अंतर्गत जिले की 11 बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं का पुनर्गठन कर 11 नवीन बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं का पंजीयन किया जाना है ।इसके लिए संस्थाओं के सदस्यों की उपस्थिति में विशेष ग्रामसभा का आयोजन कर संस्था के विभाजन की कार्रवाई की जाएगी । सहायक आयुक्त सहकारिता सुरेश सांवले ने बताया कि 11 अप्रैल को बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित (बी पैक्स) मालवन, खुरमाबाद, लिबी, पाटी, रणगांवडेब, राखीखुर्द में सम्मिलित ग्रामों में, 12 अप्रैल को बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित (बी पैक्स) बोकराटा में सम्मिलित ग्रामों में, 13 अप्रैल को बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित (बी पैक्स) गंधावल एवं सिलावद में सम्मिलित ग्रामों में तथा 21 अप्रैल को बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित (बी पैक्स) टीकरी एवं बोरलाय में सम्मिलित ग्रामों में विशेष आमसभा का आयोजन किया जाएगा ।

अनुज नावड़े जन्मजात बेहरापन की हुई सफल सर्जरी

बड़वानी। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत मोबाईल हैल्थ टीम के आयुष चिकित्सक डॉ जावेद मंसूरी एवं डॉ श्रेय उपाध्याय द्वारा 11 मई 2024 को अनुज नावड़े पिता टीकम 3 वर्ष ग्राम सांवरिया फलिया की जोडाई आंगनवाड़ी में स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण में जन्मजात बेहरापन बीमारी चिंहित की गई।

मास्टर अनुज की 10 अक्टूबर 2024 को मान्यता प्राप्त नोबल हॉस्टिल में बेहरा एवं अन्य आवश्यक जांच की गई एवं जांच के बाद कॉक्लियर इम्प्लांट के लिए स्टीमेंट दिया गया। जिसकी अनुमानित लागत 650000 रूपए बताई गई। मुख्यमंत्री बाल श्रवण उपचार योजना के तहत जिला स्तर की कमेटी द्वारा अनुशंसा कर आदेश स्वीकृत किया गया। मास्टर अनुज का 2 मार्च 2025 को योजनांतर्गत

नोबल हॉस्पिटल के डॉ सत्य प्रकाश दुबे ईएनटी सर्जन द्वारा कॉक्लियर इम्प्लांट की सफ्ल सर्जरी की गई। मुख्यमंत्री बाल श्रवण उपचार योजना बालक के लिए वरदान साबित हुई। उपचार होने के बाद माता पिता एवं परिवार बहुत खुश हुए तथा मरीज के माता-पिता द्वारा शासन एवं प्रशासन सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम का आभार व्यक्त किया गया।

नि:शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन होगा कल

बड़वानी। जिला अस्पताल और लायंस क्लब बड़वानी सिटी के संयुक्त तत्वावधान में 9 अप्रैल को चोइथराम नेत्र चिकित्सालय द्वारा नि :शुल्क शिविर का आयोजन किया जाएगा । डॉ सुरेखा जमरे और डॉ अनिता सिंगारे के मार्गदर्शन में जिला अस्पताल एवं चोइथराम के डॉक्टर्स द्वारा नेत्र मरीजों की मोतियाबिंद और कांचबिंद की जांच की जाएगी । लायन कमलेश शर्मा ने बताया कि शिविर स्थल पर शुगर और ब्लड प्रेशर की जांच भी की जाएगी । मरीज आधार कार्ड लेकर आए । शिविर सुबह 9.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक रहेगा । लायंस क्लब बड़वानी द्वारा मरीज तथा एक परिजन के लिए भोजन की नि :शुल्क व्यवस्था की जाएगी ।

डॉ खंडेलवाल ने कहा सतपुड़ा रेंज में हैं प्रचुर जड़ी-बुटियां, पर्यटन के विकास की अपार संभावनाएं

बड़वानी। जिले में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं, हमारी सतपुड़ा रेंज में जड़ी बुटियों की प्रचुर मात्रा है, जो पर्यटन विकास के लिए बहुत कारगर सिद्ध हो सकती हैं। पर्यटन परिपथ का विकास करना चाहिए। परिवहन की पर्याप्त सुविधा होने से स्थानीय और बाहरी पर्यटकों को आसानी होगी।

ऐतिहासिक धरोहरों की सुरक्षा की जिम्मेदारी वहां के स्थानीय लोगों को देनी चाहिए। जिससे उन्हें रोजगार भी प्राप्त होगा। मध्यप्रदेश की जीवन रेखा नर्मदा के माध्यम से जलीय परिपथ का निर्माण हो रहा है। जिससे पर्यटन में वृद्धि होगी और रोजगार के अवसर निर्मित होंगे। हमारे क्षेत्र में रेल परिवहन प्रारम्भ हो जाने पर विकास की गति कई गुना बढ़ जाएगी।

उक्त ये बातें प्रधानमंत्री

कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के इतिहास विभाग एवं कॅरियर सेल द्वारा कराई जा रही फिल्ड स्टडी अंतर्गत वरिष्ठ विषय विशेषज्ञ, शिक्षाविद, समाजसेवी और बंधान क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले डॉ ओमप्रकाश खंडेलवाल ने कही।

मिली बहुमूल्य सीख

प्रोजेक्ट तैयार कर रही छात्रा नंदिता गोले ने बताया कि डॉ खंडेलवाल से साक्षात्कार बहुमूल्य सीख देने वाला रहा। मुझे पर्यटन बड़वानी जिले में पर्यटन की वर्तमान स्थिति और संभावनाओं के बारे में जानकारी तो मिली ही है।

साथ ही पर्यटन के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए कार्यों का भी पता चला। उन्होंने बड़वानी जिले के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे आज भी जड़ी-बुटियों से लोगों की सेवा करते हैं और इस कार्य के लिए कोई शुल्क नहीं लेते हैं। नंदिता गोले अपनी फिल्ड स्टडी का प्रजेंटेशन 11 अप्रैल को करेंगी। जिसका लाभ अनेक युवाओं को मिल सकेगा।

12 को टांडा में हनुमान जन्मोत्सव की धूम ,शोभायात्रा रहेगी आकर्षक का केंद्र

टांडा(धार)– नगर की आस्था के केंद्र नरसिंह मंदिर में इस बार का हनुमान जन्मोत्सव विशेष रूप से धूमधाम से मनाया जाएगा। इसके लिए तैयारियां जोरों पर है। 12 अप्रैल शनिवार को हनुमान जन्मोत्सव है। इसी को लेकर मासिक पूर्णिमा उत्सव समिति तैयारियां में जुटी है। हनुमान जन्मोत्सव के दिन प्राचीन नरसिंह मंदिर को आकर्षक रूप से सजाया जाएगा वही बाहर परिसर में विशाल टेंट लगाया जाएगा जहां पर भोजन भंडारा व्यवस्था रहेगी।

नरसिंह मंदिर स्थित प्राचीन चैतन्य हनुमान मंदिर में हनुमान जी का विशेष रूप से मनमोहक चोला श्रृंगार किया जाएगा। सुबह 6 बजे हनुमान जन्मोत्सव महाआरती उतरेगी तत्पश्चात 8:00 बजे चल समारोह निकाला जाएगा जो नरसिंह मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होगा एवं नगर के प्रमुख मार्ग से होते हुए पुनः नरसिंह मंदिर पहुंचेगा। चल समारोह में उज्जैन की मंडली के द्वारा डमरू वादक की प्रस्तुति दी जाएगी एवं हनुमान जी की झांकी भी आएगी जो मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगी। वही 11 अप्रैल को सुबह प्रति मासिक पूर्णिमा अनुसार अखंड रामायण का पाठ प्रारंभ किया जाएगा। 12 अप्रैल को 12:30 संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन भी रहेगा। नरसिंह मंदिर में स्थित हनुमान जी की प्रतिमा काफी प्राचीन है बताया जाता है कि उक्त प्रतिमा चमत्कारी एवं चैतन्य है। वहीं पिछले 6 माह से हर महीने की पूर्णिमा को समिति के तत्वावधान में हनुमानजी का चोला श्रृंगार कर भंडारे का आयोजन किया जाता है एवं अखंड रामायण पाठ और सुंदरकांड का आयोजन भी किया जाता है। जिसमें बड़ी संख्या में लोग भाग लेते हैं।

ग्रामीण क्षेत्रो में भी मनाया जाएगा हनुमान जन्मोत्सव– आस-पास के ग्रामीण क्षेत्र में भी हनुमान जयंती आस्था एवं श्रद्धा के साथ मनाई जाएगी। ग्रामीण क्षेत्र के बड़दा हनुमान मंदिर,खेड़ली हनुमान मंदिर, चुनपिया हनुमान मंदिर, खरवाली हनुमान मंदिर, धयड़ी हनुमान मंदिर, बाकी हनुमान मंदिर,जामला हनुमान मंदिर, जाली हनुमान मंदिर, गरडी हनुमान मंदिर,बड़कच हनुमान मंदिर, मोहजा हनुमान मंदिर में हनुमान जयंती के उपक्षय में भगवान का विशेष चोरा श्रृंगार किया जाएगा एवं आरती प्रसादी का वितरण भी किया जाता है एवं कई जगह भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा।

बहुत चर्चित परिवहन घोटाले के सरगना सौरभ शर्मा की जमानत निरस्त करने की मांग

बाकानेर नि प्र मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष माननीय जीतू पटवारी जी के निर्देशानुसार आज 7 अप्रैल सोमवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उमरबन बाकानेर ने बहुचर्चित परिवहन घोटाले के सरगना सौरभ शर्मा को जमानत दिए जाने के विरोध में राज्यपाल के नाम ज्ञापन चौकी प्रभारी श्री अश्विन चौहान को सौंपा, ज्ञापन में मध्य प्रदेश की मोहन सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि निश्चित समय अवधि में चालान पेश न किए जाने के कारण कोर्ट से जमानत मंजूर हो गई, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उमरबन जिला धार द्वारा इस कृत्य का विरोध करते हुए कड़े शब्दों में निंदा की तथा आरोपित सौरभ शर्मा की जमानत निरस्त करते हुए बड़े परिवहन घोटाले की निष्पक्ष जांच की मांग की। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष कैलाश जाखड़,बाकानेर नगर कांग्रेस अध्यक्ष प्रतीक बडजात्या, रोहित पटेल,जनपद सदस्य जीतू वास्केल, जुवान सिंह चौहान, मालसिंह अलावा, मुकेश धनगर,जगदीश धनगर, टीकम डावर, ओम प्रकाश पाटीदार,नीलेश पाटीदार, जेलसिंह पंजाबी, राजेंद्र सिंह बेनल, मोहन सिंह भावर टीकम डावरआदि कांग्रेसजन मौजूद रहे।

अनावश्यक रूप से किसी को न्यायालय ना जाना पड़े दृ समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में निर्देश

शासकीय सेवकों के सेवा मामलों में पहले जिला स्तरीय समिति में हो सुनवाई कलेक्टर प्रियंक मिश्रा

धार। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासकीय सेवकों के सेवा संबंधी मामलों की सुनवाई पहले जिला स्तरीय समिति में की जाए, जिससे उन्हें अनावश्यक रूप से न्यायालय की शरण में न जाना पड़े। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक चौधरी, एडीएम अश्विनी कुमार रावत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि विकासखंड स्तरीय अधिकारी और सभी एसडीएम वर्चुअली जुड़े। बैठक में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आगामी 10 अप्रैल को बदनावर आगमन की तैयारियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्मी को ध्यान में रखते हुए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। ज्ञापन और आवेदन हेतु एसडीएम बदनावर से संपर्क करने की जानकारी भी दी गई। बैठक में बताया गया कि धार जिले के 1255 शासकीय धार्मिक स्थलों की जानकारी संकलित की जा चुकी है, जिसके डेटा का शुद्धिकरण करने के

निर्देश दिए गए। सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए रोडसाइड मंदिरों की खाली जमीनों पर आगंतुकों के ठहरने हेतु कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया। वृक्ष कटाई की अनुमति के विषय में संबंधित अधिकारियों को कार्यशालाएं आयोजित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने की जिम्मेदारी संबंधित एसडीएम को सौंपी गई। विभागीय जांच से संबंधित मामलों को समय पर निराकृत करने पर बल दिया गया ताकि वे अनावश्यक रूप से लंबित न रहें। बैठक में आगामी 30 अप्रैल को उमरबन में प्रस्तावित जिला स्तरीय कन्या विवाह योजना की तैयारियों पर चर्चा की गई। ग्रीष्मकाल में पेयजल व्यवस्था की साप्ताहिक समीक्षा सभी एसडीएम द्वारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा पोषण पखवाड़ा, एनएचएम के कार्य, जाति प्रमाण-पत्र निर्माण, आयुष्मान कार्ड, समग्र ई-केवाईसी, और फार्मर रजिस्ट्री कार्य की प्रगति की समीक्षा कर संबंधित दिशा निर्देश भी जारी किए गए।

नवविवाहिता की संदिग्ध मौत का मामला -नौगांव पुलिस ने पति, सास-ससुर पर दहेज प्रताड़ना व आत्महत्या के लिए उकसाने का प्रकरण किया दर्ज

धार। नौगांव थाना अंतर्गत ग्राम लबरावदा में नवव?वाहिता की संदिग्धन मौत के मामले में पुलिस ने पति सहि?त सास-ससुर पर दहेज प्रताड़ना और आत्महत्यार के लिए उकसाने का प्रकरण दर्ज किया है। 8 मार्च को पति नारायण पि?ता सत्यसनारायण पाटीदार ने अपने दोस्तर राम पिता जयराम पाटीदार के साथ थाने पर आकर पत्नी की सीढ़ियों से गिरकर मौत होने की सूचना पुलिस दी थी। उसने बताया कि पत्नीह तुलसीबाई घर की सीढ़ियों से गिर गई थी सिर में चोट लगने से उसकी भोज हॉस्पिटल में मौत हो गई थी। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच में लिया था। जांच के दौरान पुलिस को मामला संदिग्धक पाया गया था। दरअसल तुलसीबाई का वि?वाह ग्राम लबरावदा के नारायण पाटीदार से 7 मई 2019 को हुआ था। 8 मार्च 2025 को तुलसीबाई के पति नारायण ने नौगांव थाने पर सूचना दी थी कि उसकी पत्नी सीढ़ियों से गिर गई थी जिससे

उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने जांच में तुलसीबाई के भाई अरविंद उर्फ प्रवीण, बहन जेवंतीबाई और प्रेमलता के साथ भाभी भावना के कथन लिए थे। कथन में परिजनों ने बताया कि तुलसीबाई को उसका पति नारायण, सास पार्वतीबाई और ससुर सत्यसनारायण मायके से दहेज में कुछ नही लाने की बात को लेकर लगातार परेशान किया जा रहा था जिससे उसकी 8 मार्च 2025 को संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। पुलिस ने मामले में आरोपी नारायण पिता सत्यनारायण पाटीदार, पार्वती पति सत्यनारायण पाटीदार, सत्यनारायण निवासी लबरावदा पर 304बी और 498ए 34 भादवि में प्रकरण दर्ज किया है।

आज भी जीवंत है शौर्य, शक्ति और पराक्रम गुड़ तोड़ने की अनमोल परम्परा

सिंघाना चेतन जिराती - आज के दौर में पुरानी संस्कृति और परम्पराएं धीरे-धीरे विलुप्त होती जा रही है। युवा वर्ग का रुझान इन प्रचलनों की तरफ कम होने लगा है। साथ ही कई युवक ऐसे भी है, जो इन परंपराओं को जीवंत रखने के लिए उनका निर्वहन करने का प्रयास कर रहे हैं। धार जिले के सिंघाना में ऐसी ही एक पुरानी परंपरा है, गुड तोड़ने अथवा गुड उतरने की हालांकि इसके प्रति आकर्षण बिलकुल कम नही हुआ है और आज भी जीवंत है यह परंपराज सिंघाना में आस्था व भक्ति के साथ उत्साह का अद्भुत संगम प्रसिद्ध गणगौर महापर्व नगर सिंघाना में देखने को मिला सिंघाना में छह दिवसीय गणगौर महापर्व के छठे दिन क्षत्रिय सिर्वी समाज सिंघाना द्वारा परंपरागत स्थानीय झंडा चौक प्रांगण में गुड तोड़ने का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें सभी युवाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया 31 फीट ऊंचे खंभे पर गुड़ चना बाधा जाता है फिर गुड़ तोड़ने के लिए युवा खंभे के ऊपर चढ़ते हे और चढ़ने के दौरान वहां मौजूद छोटे बच्चों के द्वारा सिंधी की शीटियो चढ़ने वाले युवकों को मरते हे ओर रोकने का प्रयास करते हे। यह प्रक्रिया 7 बार होती है जो युवाओं के शौर्य, शक्ति और पराक्रम का प्रतीक है?

जल संवर्धन में जनभागीदारी से आएगा बदलाव -कलेक्टर प्रियंक मिश्रा

धार । जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत आज धार कलेक्टर सभाकक्ष में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा की अध्यक्षता में स्वैच्छिक संगठन पदाधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में अभियान को जनभागीदारी से सफल बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने उपस्थित संगठनों से अपील की कि यदि उनके पास कोई ठोस प्रोजेक्ट प्रस्ताव हैं तो वे जिला प्रशासन को अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि उतना ही कार्य हाथ में लें जितना संभव हो और यदि कोई बड़ा प्रोजेक्ट लिया जाए तो सभी की सहभागिता सुनिश्चित करें ताकि उसका परिणाम भी प्रभावी हो। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक चौधरी, एडीएम अश्विनी कुमार रावत सहित अन्य संबंधित

अधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक में जानकारी दी गई कि धार नगर में लगभग 60 बावड़ियां और तालाब मौजूद हैं। सामाजिक संगठनों ने इन बावड़ियों की सफाई हेतु सहयोग की सहमति जताई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि एसडीएम और सीएमओ इन संगठनों के साथ बैठक कर सूची के अनुसार दायित्व सौंपें।कलेक्टर श्री मिश्रा ने ग्रामीण और नगरीय क्षेत्र के नागरिकों से आग्रह किया कि वे अपने क्षेत्र की जल संरचनाओं की जानकारी संबंधित जनपद या नगर निकाय को उपलब्ध कराएं, जिससे उनका जीर्णोद्धार योजनाबद्ध तरीके से कराया जा सके।बैठक में उपस्थित संगठनों ने भी अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए और अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

जिनिंग फैक्ट्री संचालकों की शिकायत पर धामनोद पुलिस ने मुंबई के तीन लोगो पर दर्ज किया धोकाधड़ी का प्रकरण

रुई गठान खरीदी के नाम पर 7 करोड़ की धोखाधड़ी, मुंबई की फर्म ने धामनोद के व्यासपारियों से बिना भुगतान किए हड़पा माल

धार। धामनोद में रुई गठान खरीदी के नाम पर करोड़ो की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है, मुंबई के अंधेरी स्थित एसटी टेक्सगटाइल प्राइवेट लिमिटेड फर्म के संचालकों पर आरोप है कि उन्होंरने रुई की गठान के विक्रेता से करीब 7 करोड़ रुपये का माल बिना भुगतान किए हड़प लिया। रुई गठानों का सौदा दोनों के बीच विश्वोसनीय संबंधों के आधार पर हुआ था, लेकिन बाद में खरीदारों ने भुगतान करने से मना दिया और धोकाधड़ी की। धामनोद पुलिस ने मामले में मुकेश पिता बलराजसिंह त्याथगी, निख?ल पिता मुकेश त्या गी और संगीता पति मुकेश त्या गी निवासी बुडरों बि ?ल्मिुकगंस अंधेरी मुंबई के खिलाफ धोखाधडी की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसरार सुभाग मंगल, नितिन मंगल, राधा मोहन अग्रवाल और संकेत गर्ग ने धामनोद पुलिस को आवेदन दिया था। आवेदन में उन्होंने बताया था कि उनकी धामनोद में ज?निंग फैक्ट्री है जहां से वे रुई की गठानों का व्या पार करते है। लंबे समय से इनकी फर्म एसटी टेक्स टाइल प्राइवेट ल?मिटेड अंधेरी मुंबई के साथ व्या पार कर रही थी। इस फर्म के संचालक मुकेश त्यागी, निख?ल त्या गी और संगीता त्यागि के साथ उनका सौहार्दपूर्ण व्यारपार चलता था और नियमित रुप से माल की आपूर्ति और भुगतान किया जाता था। 1 अप्रैल 2024 से नवंबर 2024 तक क्रेता फर्म ने विक्रेता से महंगे दामों पर रुई की गठानें खरीदीं और विक्रेता को भुगतान का झांसा दिया। इसके बाद भुगतान का सिलसिला अचानक रुक गया और दोनों फर्मों के बीच संवाद भी बंद हो गया। इस पर विक्रेता फर्म ने जब मुंबई जाकर संपर्क किया तो आरोपियों ने एक नया बहाना बना दिया कि विक्रेता फर्म ने बगैर एग्रीमेंट के माल भेजा था इसलिए वे भुगतान नहीं कर सकते। विक्रेता फर्म के मालिकों ने इस धोखाधड़ी के खिलाफ थाना धामनोद में 20 फरवरी 2025 को शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू की और विक्रेता व क्रेता फर्म के बीच के सभी लेन-देन, विक्रय के बिल, ई वे बिल और बैंक अकाउंट डिटेल्स की छानबीन की। इसके अलावा, दलाल और ट्रांसपोर्टर के बयान भी लिए गए और उनसे संबंधित बिल्टी वाउचर भी जप्त किए गए। हालांकि, एसटी टेक्सटाइल प्राइवेट लिमिटेड फर्म ने जांच में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया और कहा कि माल बिना एग्रीमेंट के भेजा गया था इसीलिए भुगतान नहीं किया जा सकता। इस मामले में धामनोद पुलिस ने जिला अभियोजन अधिकारी से विधिक अभिमत प्राप्त किया और पाया कि विक्रेता फर्म के साथ धोखाधड़ी और विश्वास का दुरुपयोग किया गया। क्रेता फर्म ने जानबूझकर कोई लिखित एग्रीमेंट नहीं किया और विक्रेता ने बार-बार अनुरोध करने के बावजूद क्रेता द्वारा भुगतान नहीं किया। इस कारण यह मामला धोखाधड़ी और षडयंत्र का साबित हुआ। धामनोद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु की है।

खेलों में जीत की जिद बेहद जरुरी

18वीं परख लीग बैडमिंटन स्पर्धा का पुरस्कार वितरण

इंदौर/ःखेलों में जीत की जिद बेहद जरुरी है, तभी हारेंगे तो अगली बार जीतने की कौशिश करेंगे,ःउक्त उदगार स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के निवृत्त सहायक महाप्रबंधक और वरिष्ठ बैडमिंटन खिलाड़ी विजय रंगणेकर ने 18 वीं परख लीग बैडमिंटन स्पर्धा के पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में व्यक्त किए, सरताज अकादमी द्वारा आयोजित 18 वीं परख लीग बैडमिंटन स्पर्धा में विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को इनामी राशि से पुरस्कृत किया गया, सरताज अकादमी प्रबंध निदेशक और प्रशिक्षक धर्मेश यशलहा ने संचालन किया, मन बडजत्या, अशांक मिश्रा, नायशा पुरोहित और अयांश मिश्रा विजेता रहे, तीर्थ गोयल, ऋत्वी दवे, अयांश मिश्रा और अद्वैत शाह उपविजेता रहे, सभी खिलाड़ियों और प्रशिक्षक को भेंट दी गई, मास्टर्स बैडमिंटन खिलाड़ी विजय रंगणेकर ने सरताज बच्चों से कहा कि जीतने के लिए खेलोगे तभी आगे बढ़ोगे, पढ़ाई और खेलोगे तो सफलता जरुर मिलेगी, प्रशिक्षक के दिशा-निर्देश को मानने और कड़ी मेहनत कर स्ट्रोकों को सुधारने से बेहतर खिलाड़ी बना जा सकता है, वे बच्चों के साथ बैडमिंटन भी खेले, धर्मेश यशलहा ने बताया कि सरताज अकादमी का अगला आयोजन इसी माह 67 वीं सरताज लीग बैडमिंटन स्पर्धा होगी

नर्मदापुरम फाइनल में, इंदौर की स्थिति मजबूत

इंदौर। महाराजा यशवंतराव स्मृति अंतर संभागीय क्रिकेट चैम्पियनशिप में नर्मदापुरम ने चम्बल को हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में पहली पारी की बढ़त के आधार पर इंदौर का फाइनल में पहुंचना तय हो गया है। पहले सेमीफाइनल में इंदौर ने भोपाल के 367 रनों के जवाब में 442 रन बनाए। करण टहलानी ने 101, हर्ष गवली ने 82, ऋषभ चौहान ने 63 व सागर सोलंकी ने 63 रन बनाए। पवन बिरवानी व प्रियांशु शुक्ला को 3-3 व तनिष यादव को 2 विकेट मिले। दूसरे सेमीफाइनल में चम्बल को एक पारी व 227 रनों से हराया। पहली पारी में 18 रन की बढ़त ले चुकी नर्मदापुरम ने दूसरी पारी में 335 रन बनाए। अथर्व महाजन ने 98, यश दुबे ने 59 रन बनाए। विष्णु भारद्वाज व रोहित राजावत को 3-3 विकेट मिले। चम्बल की दूसरी पारी 114 रनों पर खत्म हुई। यशवर्धन चौहान ने 27, रामवीर गुर्जर ने 35 रन बनाए। हिमांशु ने 5, आयुष ने 2 विकेट लिये।

कनमड़ीकर ट्राफी में चम्बल का धमाकेदार प्रदर्शन

इंदौर। कनमड़ीकर ट्राफी बायज अंडर-13 अंतर संभागीय क्रिकेट चैम्पियनशिप के तीसरे दौर के मुकाबले आज से प्रारंभ हुए। ग्रुप ए में इंदौर ने भोपाल को 87 रन पर आउट कर दिया। अहद खान ने 15 रन बनाए। सोमांश शर्मा ने 3, कार्तिक पाटील मुस्तफा राजा व भीष्म ने 2-2 विकेट लिये। जवाब में इंदौर ने 9 विकेट पर 84 रन बना लिए। सोमांश शर्मा 13 रन पर नाबाद है। आनंद राठौर ने 13, पवित्रा पाटील ने 14 रन बनाए। वेद पाठक ने 5 विकेट लिये। ग्रुप ए के दूसरे मैच में चम्बल ने ग्वालियर को सिर्फ 34 रन पर आउट कर दिया। कौशल सखलेचा ने 16 रन बनाये। नवदीप चौबे को 4 व दिव्यांश परिहार को 2 विकेट मिले। जवाब में चम्बल ने मात्र 59 ओवर में 9विकेट पर 239 रन बना लिये। रोहित कांसवा ने 110, वेदांत शर्मा ने 26 रन बनाए। आदर्स रावत को 3, आर्नव श्रीवास्व व कौशल सखलेचा को 2 विकेट मिले। ग्रुप में सागर की टीम 130 रन पर आउट हो गई। मयंक जैन ने 89 रन बनाए। यशवर्धन दुबे ने 7 विकेट लिये। जबलपुर ने जवाब में 7 विकेट पर 161 रन बना लिये। यशोवर्धन दुबे ने 43, अथ्यादय सिंह ने 71 रन बनाए। अंस डांगी को चार विकेट मिले। ग्रुप सी में नर्मदापुरम की टीम सिर्फ 69 रन पर आउट हो गई। काव्यांश भालेकर ने 24 रन बनाए। आदर्श यादव ने 6 व नयन मंसूरी ने 2 विकेट लिये। जवाब में शहडोल ने 108 रन बनाये। वासु गुप्ता ने 14, आर्यमनसिंह ने 26 रन बनाए। मुरली रघुवंशी को 6 व सक्षम को 3 विकेट मिले।

ताहिर हॉकी ट्रेनिंग सेंटर व हॉकी इंदौर एसोसिएशन का 38 वा जिला स्तरीय हॉकी प्रशिक्षण शिविर

इंदौर। हॉकी इंदौर एसोसिएशन व ताहिर हॉकी ट्रेनिंग सेंटर द्वारा आयोजित *38 वा जिला स्तरीय नि:शुल्क ग्रीष्मकालीन बालक व बालिकाओं का हॉकी प्रशिक्षण शिविर दिनांक 10 अप्रैल से* स्थानीय चिमनबाग हॉकी मैदान पर आयोजित किया जाएगा।हॉकी इंदौर एसोसिएशन के सचिव किशोर शुक्ला व सहसचिव मो याकूब अंसारी ने बताया कि हॉकी प्रशिक्षण शिविर में 16 वर्ष से 19 वर्ष तक के बालक व बालिकाओं को एन आई एस कोच द्वारा हॉकी प्रशिक्षण दिया जाएगा शिविर तीन चरणों में होगा। शुक्ला व अंसारी ने बताया कि *राष्ट्रीय खेल हॉकी को आगे बढ़ाने के लिए आयोजित जिला स्तरीय हॉकी प्रशिक्षण शिविर में निजी व शासकीय स्कूलों के खिलाड़ियों को शिविर में भेजने अपील स्कूल से की है। शिविर में में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों का पंजीयन शुरू किया गया शिविर में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी चिमनबाग हॉकी मैदान में पर एन आई एस कोच अतुल खुणे, नितीश गौड़, अदिति कसेरा, राजपाल सिंह लक्की अभिषेक यादव से संपर्क कर सकते हैं

(फोटो-ईएमएस) मैक्सिको में विश्व एक्रेटिक डाइविंग स्पर्धा में भाग लेते हुए मैक्सिको के जुआन व ओसमार।

वानखेड़े में 10 साल बाद मुंबई से जीता बेंगलुरु

12 रन से हराया ; कोहली-रजत की फिफ्टी, क्रुणाल को 4 विकेट

बैंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने IPL 2025 में सोमवार को मुंबई इंडियंस (MI) को 222 रन का टारगेट दिया है। वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। बेंगलुरु ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 221 रन बनाए।

जवाब में मुंबई ने 19.5 ओवर में 8 विकेट पर 209 रन बना लिए हैं। नमन धीर और ट्रेंट बोल्ट नाबाद हैं। क्रुणाल ने दीपक चाहर (शून्य), मिचेल सैंटनर (8 रन) और विल जैक्स (22 रन) को आउट किया। हार्दिक पंड्या (42 रन) को जोश हेजलवुड ने लिविंगस्टन के हाथों कैच कराया। तिलक वर्मा (56 रन) को भुवनेश्वर कुमार ने फिल सॉल्ट के हाथों कैच कराया। सूर्यकुमार यादव 28 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें यश दयाल ने लियम लिविंगस्टन के हाथों कैच कराया। दयाल ने रोहित शर्मा (17 रन) का भी विकेट लिया। रायन रिकेल्टन (17 रन) को जोश हेजलवुड ने आउट किया। बेंगलुरु की ओर से विराट कोहली (67 रन) और कप्तान रजत पाटीदार (64 रन) ने अर्धशतक जमाए। जितेश शर्मा ने नाबाद 40 और देवदत्त पडिक्कल ने 37 रन का योगदान दिया। ट्रेंट बोल्ट और हार्दिक पंड्या ने 2-2 विकेट झटके। एक विकेट विग्नेश पुथुर को मिला। 19वें ओवर में मुंबई ने छठा विकेट गंवाया। यहां हार्दिक पंड्या 42 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें जोश हेजलवुड ने लिविंगस्टन के हाथों कैच कराया। 18वें ओवर में मुंबई ने 5वां विकेट गंवाया। यहां तिलक वर्मा 56 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें भुवनेश्वर कुमार ने फिल सॉल्ट के हाथों कैच कराया। हार्दिक पंड्या ने 15वें ओवर में क्रुणाल पंड्या की बॉल पर लगातार दो छक्के मारे। उन्होंने दूसरी और तीसरी बॉल पर छक्का मारा। इसी ओवर में मुंबई का स्कोर 150 पार पहुंच गया। मुंबई ने 13वें ओवर में 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। टीम 4 विकेट गंवा चुकी है। तिलक वर्मा और हार्दिक पंड्या क्रीज पर हैं।

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), रायन रिकेल्टन (विकेटकीपर), विल जैक्स, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, नमन धीर, मिचेल सैंटनर, दीपक चाहर, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह और विग्नेश पुथुर। इम्पैक्ट प्लेयर = रोहित शर्मा।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: रजत पाटीदार (कप्तान), फिल सॉल्ट, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, लियम लिविंगस्टन, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, यश दयाल। इम्पैक्ट प्लेयर = सुयश शर्मा।

प्रदेश में खेलों के उन्नयन के लिये मंत्री सारंग ने ली सभी महापौर की बैठक

भोपाल/इन्दौर (ईएमएस)। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सोमवार को ताल्या टोपे स्टेडियम भोपाल में खेलों के उन्नयन के लिये प्रदेश के सभी महापौरों की बैठक ली। बैठक में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहयोग से नगरीय निकायों में खेलों के प्रति सकारात्मक माहौल बनाने, युवाओं को खेलों के प्रति आकर्षित करने, नगरीय निगम के खेल इंफ्रास्ट्रक्चर के उन्नयन सहित अनेक विषयों पर चर्चा हुई। मंत्री सारंग ने कहा कि नगरीय निकायों के पास पहले से मौजूद खेल मैदानों व अधोसंरचना का उन्नयन कर खेल गतिविधियों को गति दी जा सकती है। बैठक में नगरीय निकायों और खेल विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष बल दिया गया, जिससे राज्य भर में खेलों का व्यापक प्रसार और विकास सुनिश्चित किया जा सके।

खेल विभाग के सहयोग से नगरीय निकायों में कम्युनिटी स्पोर्ट्स को मिलेगा बढ़ावा -मंत्री सारंग ने कहा कि नगरीय निकायों में कम्युनिटी स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहयोग से विभिन्न पहल की जा सकती हैं। इसमें फिट इंडिया क्लब की स्थापना तथा सामुदायिक स्तर पर विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन प्रमुख है। उन्होंने उपस्थित सभी महापौरों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में खेलों के उन्नयन के लिये क्षेत्र चिन्हित कर प्रस्ताव तैयार करें।

अभिषेक का खराब शॉट देकर भड़की काव्या

हैदराबाद (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद की टीम को लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है जिससे टीम अंक तालिका में सबसे नीचे दसवें स्थान पर खिसक गयी है। इसी कारण गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में मिली हार से सनराइजर्स की मालिक काव्या मारन बेहद नाराज नजर आयीं। कव्या का गुस्सा इसलिए भी बढ़ गया क्योंकि इस बार नीलामी में 14 करोड़ रुपये में रिटेन किये गये बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने एक खराब शॉट लगाकर अपना विकेट गंवा दिया। बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक का अब तक इस सत्र में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इस बल्लेबाज ने पहले मैच में 24 रन बनाए फिर लगातार तीन मुकाबले में वह दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। वहीं जब वह गुजरात के खिलाफ 18 रन पर आउट हुआ तो काव्या अपने गुस्से पर काबू नहीं कर पायी और उन्होंने स्टेडियम में बैठे बैठे ही अपनी नाराजगी जाहिर कर दी।

एपीएल -25 के रोमांचक क्रिकेट मैदान में भी राम दरबार उत्सव का आयोजन

इंदौर, । अग्रवाल समाज इंदौर फाउंडेशन द्वारा पीपल्याहाना, पाथ स्क्रेयर ग्राउंड, महाराजा अग्रसेन चौक पर खेले जा रहे अग्रवाल प्रीमियर लीग (एपीएल-25) क्रिकेट मुकाबलों के दौरान राम नवमी के उपलक्ष्य में मैदान पर राम दरबार की जीवंत झांकी का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर फाउंडेशन की ओर से किशोर गोयल, संजय बांकड़ा के साथ मनोज अनपूर्णा, अरविंद वेल्पूअर, राजू समाधान, प्रतीक गुप्ता, राजेश मित्तल मालवा मील, नितिन अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में स्पर्धा से जुड़े समाजबंधुओं ने राम दरबार के रूप में सजे हुए कलाकारों एवं समाजबंधुओं का पूजन भी किया। स्पर्धा में अब तक 42 मैच संपन्न हो चुके हैं। आज से क्वार्टर फायनल मुकाबले नितिन अग्रवाल मह, संजय अग्रवाल उज्जैन नगर भाजपा अध्यक्ष एवं शैलेन्द्र अग्रवाल उज्जैन तथा अरविंद बागड़ी, हरि अग्रवाल एवं अशोक गोयल के आतिथ्य में खेले जाएंगे।

बीसीसीआई ने ईशांत पर जुर्माना लगाया

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुजरात टाइटंस के अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा पर जुर्माना लगाया है। ईशांत पर ये जुर्माना इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में आचारसंहिता उल्लंघन के लिए लगाया गया है। ईशांत पर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है और उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक नकारात्मक अंक भी जोड़ा गया है। इस मामले में ईशांत शर्मा ने आर्टिकल 2.2 के तहत अपना अपराध स्वीकार किया है। आईपीएल ने अपने एक बयान में कहा, ःईशांत शर्मा ने अपने अपराध को स्वीकार किया और मैच रेफरी के फैसले को मान लिया। ऐस में अब आगे सुनवाई की जरुरत नहीं है। गौरतलब है कि आर्टिकल 2.2 के तहत मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण या कपड़े, मैदान उपकरण या फिक्स्चर और फिटिंग्स का दुरुपयोग से संबंधित है। यह अपराध तब हो सकता है जब कोई खिलाड़ी निराशा में अपने बल्ले को जोर से घुमाता है और विज्ञापन बोर्ड को नुकसान पहुंचाता है। इस मैच में गुजरात को जीत मिली पर ईशांत का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और वह एक भी विकेट नहीं ले आये?

(फोटो-ईएमएस) सर्बिया में बेलग्रेड मैराथन में भाग लेते हुए प्रतियोगी।

शुभमन की बल्लेबाजी के मुरीद हुए बाउचर

जोसंसबर्ग (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व विकेटकीपर मार्क बाउचर ने शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा की है। बाउचर ने कहा कि शुभमन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शानदार पारी खेली। बाउचर ने कहा कि विकेट गिरने के बाद भी शुभमन पारी के दौरान दबाव में नहीं दिखे और पूरे समय आत्मविश्वास से खेलते दिखे। बाउचर ने कहा, वे इस समय काफी अच्छा खेल रहे हैं, और वे इस मैच में टीम की जीत से भी काफी उत्साहित होंगे। इन दिनों घर से बाहर जीतना मुश्किल है, खासकर जिस तरह से उन्होंने जीत हासिल की। वे गेंद से काफी भरोसेमंद थे, उन्होंने सनराइजर्स की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया। वे आगे थोड़ा भटक गए पर फिर शुभमन ने अच्छी पारी खेली। वह रन रेट को लेकर भी दबाव में नहीं आये और अपने अनुसार खेलते रहे। वहीं बाउचर ने कहा कि हैदराबाद टीम का बल्लेबाजी क्रम दबाव में लग रहा है। टीम में आत्मविश्वास की कमी नजर आ रही है।

अभिषेक का खराब शॉट देकर भड़की काव्या

हैदराबाद (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद की टीम को लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है जिससे टीम अंक तालिका में सबसे नीचे दसवें स्थान पर खिसक गयी है। इसी कारण गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में मिली हार से सनराइजर्स की मालिक काव्या मारन बेहद नाराज नजर आयीं। कव्या का गुस्सा इसलिए भी बढ़ गया क्योंकि इस बार नीलामी में 14 करोड़ रुपये में रिटेन किये गये बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने एक खराब शॉट लगाकर अपना विकेट गंवा दिया। बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक का अब तक इस सत्र में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इस बल्लेबाज ने पहले मैच में 24 रन बनाए फिर लगातार तीन मुकाबले में वह दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। वहीं जब वह गुजरात के खिलाफ 18 रन पर आउट हुआ तो काव्या अपने गुस्से पर काबू नहीं कर पायी और उन्होंने स्टेडियम में बैठे बैठे ही अपनी नाराजगी जाहिर कर दी।

सीएसके पर जीत के इरादे से उतरेगी पंजाब

मुल्लांपुर (ईएमएस)। पंजाब किंग्स की टीम मंगलवार को यहां अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। पंजाब ने इस सत्र में शुरुआती दोनो ही मैच जीते थे पर तीसरे मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। उसके बाद टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि इससे टीम के खिलाड़ियों को जाग जाना चाहिये। इससे माना जा रहा है कि इस मैच में पंजाब जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेगी। उसे घरेलू हालातों का भी लाभ मिल सकता है। श्रेयस अच्छे फार्म में हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। उसके बल्लेबाज जमकर रन बना रहे हैं। इसके अलावा उसके गेंदबाजों का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है। टीम के पास ग्लेन मैक्सवेल जैसा ऑलराउंडर है।

शाम 7:30 बजे शुरू होगा मैच

इस प्रकार देखा जाये तो पंजाब का पलड़ा भारी नजर आता है। वहीं दूसरी ओर सीएसके की टीम के लिए ये सत्र अच्छा नहीं रहा है और उसे अब तक एक ही मैच में जीत मिली है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी अच्छी नहीं रही है। अनुभवी बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी भी अब पहले जैसे फिनिशर नहीं रहे हैं और इसका नुकसान टीम को उठाना पड़ रहा है। इसी कारण टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए लगातार तीन मैचों में हारी है। सीएसके की टीम को सही संयोजन भी तलाशना होगा। सीएसके के पास अब लक्ष्य का पीछा करते हुए निचले क्रम पर फिनिशर के तौर पर केवल शिवम दुबे ही बचे हैं। ऐसे में विपक्षी टीम अगर 180 से अधिक रन बना लेती है तो सीएसके लिए उसका पीछा करना भी कठिन हो जाता है। इसका कारण है कि शिवम आक्रामक बल्लेबाजी तो करते हैं पर वह कई मैचों में असफल भी रहे हैं। धोनी के खराब प्रदर्शन के कारण सुपरकिंग्स की परेशानी इसलिए भी बढ़ी है क्योंकि उसका शीर्ष क्रम रन नहीं बना पा रहा है। इसी कारण कप्तान रुतुराज गायकवाड़ को सलामी बल्लेबाज की जगह मध्यक्रम में उतरना पड़ रहा है। पंजाब किंग्स से मुकाबला इसलिए भी मुश्किल है क्योंकि पंजाब के पास स्पिनर युजवेंद्र चहल हैं जिनका समाना करना सीएसके के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं टीमें = चेन्नई सुपरकिंग्स = रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), महेंद्र सिंह धोनी, रविंद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथीशा पथिराना, नूर अहमद, रविचंद्रन अश्विन, डेवोन कॉनवे, सैयद खलील अहमद, रचिन रविंद्र, राहुल त्रिपाठी, विजय शंकर, सैम कुरेन, शेख राशिद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, दीपक हुड्डा, गुरजनप्रीत सिंह, नाथन एलिस, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्णन घोष, श्रेयस गोपाल, वंश बेदी और आंद्रे सिद्धार्थ।

पंजाब किंग्स = श्रेयस अय्यर (कप्तान), युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, मार्कस स्टोइनिस, निहाल वढेरा, ग्लेन मैक्सवेल, विशाक विजयकुमार, यश ठाकुर, हरप्रीत बरार, विष्णु विनोद, मार्को यानसेन, लॉकी फर्गुयुसन, जोश इंगलिस, जेवियर बार्टलेट, कुलदीप सेन, पायला अविनाश, सूर्यांश शेडगे, मुशीर खान, हरनूर पन्नू, आरोन हार्डी, प्रियांश आर्य और अजमतुल्लाह उमरजई।

सौरभ शर्मा को संरक्षण क्यों दे रही भाजपा? पुतला नही जलाने दिया तो कांग्रेसियों ने पुतले की शर्ट में आग लगा दी

इंदौर। मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार और आतंक फैलाने जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए कांग्रेस कमेटी ने गुना में आक्रामक अंदाज में विरोध-प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री का पुतला जलाने की कोशिश की। हनुमान चौराहे पर एकत्रित हुए कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की पुलिस की आंखों में धूल झोंकते हुए पुतले की शर्ट में आग लगा दी, जिसे देखकर अफरा-तफरी मच गई।

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने 7 अप्रैल को प्रदेश के जिला और ब्लॉक मुख्यालयों पर मुख्यमंत्री का पुतला दहन करने के निर्देश दिए थे। कांग्रेस ने परिवहन घोटाले के आरोपी सौरभ शर्मा को जमानत मिलने का विरोध किया था। पार्टी का कहना है कि भाजपा सौरभ शर्मा जैसे भ्रष्टाचारियों को संरक्षण दे रही है, यही वजह है कि इतने बड़े कांड में शामिल आरोपी को कोर्ट से जमानत मिल चुकी है। कांग्रेस ने मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव सरकार द्वारा भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा पार करने का भी आरोप जड़ा है।

शून्य फीसदी ब्याज योजना से लाखों किसान आउट

इंदौर। समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी 15 दिन देरी से शुरू हुई है,जो अभी लंबा चलेगी इसका पेमेंट आने में भी एक सप्ताह से 10 दिन का समय लग रहा है। 31 मार्च को किसानों को बैंक में किसान क्रेडिट कार्ड की राशि जमा करना थी 60 फीसदी से ज्यादा किसान डिफाल्टर हो गए क्योंकि उनके पास किसान क्रेडिट कार्ड को जमा करने के लिए पर्याप्त राशि नहीं थी, डिफाल्टर किसानों को अब साल भर का ब्याज सहित राशि बैंक चुकाना होगी। मध्य प्रदेश में तकरीबन एक करोड़ किसान खेती से अपना जीवन यापन करते हैं इसमें तकरीबन 40 लाख सीमांत किसान की श्रेणी में आते हैं जिनके पास एक हेक्टर से कम कृषि भूमि है। समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी 15 दिन देरी से 15 मार्च से शुरू हुई। शुरुआत का एक सप्ताह तो खरीदी केंदो पर साधन उपलब्ध होने में ही निकल गया इसके बाद सीमित मात्रा में किसानों को खरीदी केंद्र पर समर्थन मूल्य व बोनस 2600 रु प्रति क्विंटल कि दर से लिया जा रहा है। रफ्तार इतनी धीमी है कि यह प्रक्रिया 2 महीने और चलेगी। इसी बीच किसानों को 31 मार्च में बैंक खाद बीज और क्रेडिट कार्ड की राशि जमा करना होती है। किसानों का गेहूं नहीं बिका और 60 फीसदी से ज्यादा डिफाल्टर हो गए। अब इन किसानों को 7 फीसदी ब्याज पूरे वर्ष का लगेगा। हालांकि कुछ बड़े किसानों ने उनकी संख्या 8 से 10 की फीसदी मानी जाती है वे सक्षम है उन्होंने तो बैंक की राशि जमा की है 15 से 20 फीसदी किसान ऐसे भी हैं जिन्होंने मंडी में डेढ़ सौ से 200 प्रति कुंतल कम दर में गेहूं का विक्रय कर बैंक की राशि चुकता की है।

याद आए शिवराज...!

31 मार्च ऐसी तारीख है जब किसानों के पास पर्याप्त राशि नहीं रहती उनकी फसल बिकने में देरी रहती है इसलिए बैंक में इस तारीख को आगे बढ़ाने की मांग लंबे समय से चल रही है, हर बार किसान क्रेडिट कार्ड जमा करने के लिए सरकार की ओर से दो से तीन महीने का अतिरिक्त समय मिल जाता है लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ किसान डिफाल्टर हुए हैं उन्हें केंद्रीय कृषि मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान याद आ रहे हैं क्योंकि इनके कार्यकाल में यह तारीख हमेशा बढ़ जाती थी।

हर 10,000 से 50,000 तक की चपत

मध्य प्रदेश सरकार किसानों को शून्य फीसदी क्रेडिट कार्ड, खाद बीज खरीदी पर राहत देती है इस राशि का फलटा उन्हें सरकारी समिति में 31 मार्च तक करना होता है लेकिन किसानों के पास गेहूं अभी बेचने देरी हो रही है पैसा नहीं आया और वह 31 मार्च को डिफाल्टर हो गए। अब एक लाख से लगाकर 5 लाख या इससे ज्यादा की भी क्रेडिट कार्ड किसानों के पास है तकरीबन हर किसान को 10000 से लगाकर 50000 रुपए तक की राशि अतिरिक्त चुकाना होगी जो की ब्याज के रूप में होगी और किसानों को अब पूरे साल का ब्याज जमा करना पड़ेगा।

जिलाध्यक्ष खरे न उतरे तो जाएगा पद

संगठन को मजबूत करने में जुटी कांग्रेस

इंदौर। कांग्रेस ने यह वर्ष संगठन निर्माण के लिए समर्पित किया है। इसके तहत राज्य अपने-अपने संगठन को मजबूत करने की कवायद में जुट गए हैं। मप्र कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार बदलाव कर रही है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी जमीन पर काम करने वाले युवाओं को मौका दे रहे हैं। जब से प्रदेश के नए प्रभारी हरीश चौधरी ने पद संभाला है इसमें और तेजी आ गई। हरीश चौधरी पटवारी के साथ लगातार प्रदेश का दौरा कर रहे हैं, और संगठन को मजबूत करने के लिए हर तरह के प्रयास कर रहे हैं।

इसी कड़ी में कांग्रेस के नए जिला अध्यक्षों और ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की कवायद तेज हो गई है। जिला अध्यक्षों के नामों को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी के साथ चर्चा हो चुकी है। दरअसल, आलाकमान के निर्देशानुसार मप्र कांग्रेस ऐसे नेताओं को जिम्मेदारी सौंपने जा रही है जो सक्रिय हों। इसकी वजह यह है कि कांग्रेस अब तीन माह में जिला अध्यक्षों का रिपोर्ट कार्ड लेगी, जो जिलाध्यक्ष खरे नहीं उतरेंगे तो उनको चलता कर दिया जाएगा।

गौरतलब है कि अब देशभर में संगठन की मजबूत पर काम कर रही कांग्रेस ने तय किया है कि संगठन निर्माण और उसके क्रियाकलापों की बारीकी से निगरानी होगी। जिला और शहर अध्यक्षों को टाइमलाइन बनाकर लक्ष्य सौंप दिया गया कि जून तक गांव और वार्ड स्तर पर कमेटियां बना लेनी हैं। इतना ही नहीं, पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने तो दो टूक कह दिया है कि यदि तीन माह बाद जिला और शहर अध्यक्षों का रिपोर्ट कार्ड बनेगा। जो उम्मीदों पर खरे नहीं उतरेंगे, उन्हें पद से हटा दिया जाएगा। कांग्रेस ने यह वर्ष संगठन निर्माण के लिए समर्पित किया है। इसी के तहत अलग-अलग राज्यों के समूह बनाकर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सहित अन्य वरिष्ठ नेता जिला व शहर अध्यक्षों के साथ बैठकें कर रहे हैं। इसमें बताया गया कि इसी मई यानी अगले माह तक मंडल कांग्रेस कमेटियों का गठन कर लेना है। प्रत्येक मंडल कमेटी के अंतर्गत 15 से 20 बूथ होंगे। इसी समय सीमा में प्रदेश कांग्रेस कमेटियों को दो-दो बूथ लेवल एजेंट (बीएलए-1 और बीएलए-2) की नियुक्ति करनी है।

बूथ लेवल एजेंटों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

गांव कांग्रेस कमेटी और वार्ड कांग्रेस कमेटियों के गठन के लिए जून, 2025 तक का समय दिया गया है। जून तक ही बूथ लेवल एजेंटों का प्रशिक्षण कार्यक्रम भी पूरा करना है। इसके अलावा मतदाता सूची से संबंधित गतिविधियां लगातार चलाई जाएंगी। कार्यकर्ताओं के लिए जमीनी स्तरपर प्रशिक्षण सत्र भी सतत चलाने होंगे। बैठक में शामिल सूत्रों ने बताया कि कुछ जिलाध्यक्षों ने सुझाव दिया कि अब कुछ राज्यों में पार्टी को अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए बिना गठबंधन के चुनाव लड़ना चाहिए। राहुल गांधी ने उनकी भावनाओं की सराहना करते हुए कहा कि वह स्थिति भी आपको ही बनाना है।

संगठन को इतना मजबूत बनाना होगा

हर विधानसभा और लोकसभा सीट पर संगठन को इतना मजबूत बनाना होगा कि यदि सहयोगी दलों से गठबंधन न हो सके तो कांग्रेस अपने बूते पर मजबूती से चुनाव लड़ सके। संदेश यही था कि संगठन की कमजोरी के चलते ही कांग्रेस को अपने कार्यकर्ताओं के मनोबल और मंशा की अनदेखी कर मजबूरन कई राज्यों में गठबंधन में चुनाव लड़ना पड़ रहा है। निगरानी के लिए मजबूत तंत्र की रणनीतिसंगठन निर्माण से लेकर पार्टी की सभी गतिविधियों के संयोजन व समन्वय के लिए भी कांग्रेस ने नए तंत्र पर काम शुरू किया है। इसी माह अप्रैल में सभी राज्यों में स्टेट साथी केंद्र स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। सूत्रों ने बताया कि साथी केंद्र जिला स्तर पर भी बनेंगे। राज्य और जिला साथी केंद्रों में वरिष्ठ नेताओं को नियुक्त किया जाएगा। वह प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखेंगे, अमल के लिए सुझाव देंगे और रिपोर्ट केंद्रीय नेतृत्व तक पहुंचाएंगे। इसी तरह मई तक सभी राज्यों में एआइसीसी रोल आब्जर्वर नियुक्त किए जाएंगे, जो मतदाता सूची संबंधी गतिविधियों और संगठन निर्माण प्रक्रियों में सहयोग के साथ निगरानी का दायित्व संभालेंगे।

27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण का रास्ता साफ

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को सही ठहराया, याचिका की खारिज

इंदौर। बहुचर्चित ओबीसी आरक्षण मामले में सुप्रीम कोर्ट दिल्ली में सुनवाई हुई। सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में कोई नहीं हुआ हाजिर, लिहाजा कमलनाथ सरकार द्वारा साल 2019 में ओबीसी वर्ग को 14 फीसदी से बढ़ाकर 27 प्रतिशत आरक्षण देने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में लगाई गई विशेष अनुमति याचिका खारिज हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण पर कोई रोक नहीं है।

यूथ फॉर इक्वेलिटीसंगठन की ओर से सुप्रीम कोर्ट में यह एसएलपी दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने मप्र हाईकोर्ट के आदेश को सही मानते हुए स्पष्ट किया कि 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण को लागू करने में कोई न्यायिक अड़चन नहीं हैं।

बता दें कि इससे पहले हाइकोर्ट भी खारिज यूथ फॉर इक्वलिटी की याचिका कर चुका है। 28 जनवरी को हाईकोर्ट ने यूथ फॉर इक्वलिटी की दो याचिका खारिज की थी। यूथ फॉर इक्वलिटी की याचिका में ओबीसी के 27 प्रतिशत आरक्षण भर्ती के सर्कुलर को चैलेंज किया गया था। यूथ फॉर इक्वलिटी की याचिका खारिज होने के बाद मप्र में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण का रास्ता साफ हो रहा था।

हाईकोर्ट से ओबीसी आरक्षण का रास्ता साफ होता देख सुप्रीम कोर्ट में अड़ंगा लगाने कोशिश की गई थी।

ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन सहित प्रभावित अभ्यर्थियों की ओर से केविएट दाखिल की गई थी। जानकारी रामेश्वर सिंह ठाकुर, याचिकाकर्ताओं के वकील ने दी।

27 फीसदी ओबीसी आरक्षण में कोई अड़चन नहीं

महासभा के राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य और एडवोकेट धर्मेंद्र सिंह कुशवाहा ने बताया कि 26 फरवरी 2025 को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट जबलपुर के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैथ और न्यायाधीश विवेक जैन की संयुक्त बेंच ने 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के कानून का पालन करने का आदेश देते हुए कहा था कि 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण पर किसी प्रकार की रोक नहीं है। ऐसे में याचिका आज तक किस प्रकार से चल रही है। इसको देखते हुए हाईकोर्ट ने याचिका खारिज की थी।

उस आदेश के खिलाफ यूथ फॉर इक्वेलिटी संगठन के द्वारा सुप्रीम कोर्ट दिल्ली में एसएलपी दायर की गई थी। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के कोर्ट नंबर 8 में न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल ने 22वें नंबर पर इस एसएलपी की सुनवाई की। ओबीसी महासभा की ओर से एडवोकेट वरुण ठाकुर एवं एडवोकेट रामकरण के माध्यम से न्यायालय के सामने पक्ष रखा गया।

सरकार ने कोर्ट में मजबूती से पक्ष नहीं रखा

धर्मेंद्र कुशवाहा ने कहा कि आज हुई सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में मजबूती से पक्ष नहीं रखा गया। इससे जाहिर होता है कि मध्य प्रदेश की सरकार पिछड़े वर्ग को उनका अधिकार देना नहीं चाहती। ऐसी दशा में ओबीसी महासभा ने अपने वर्ग को न्याय दिलाने के लिए संगठन की ओर से अपने वर्ग से एक-एक रुपए इकट्ठा करके सुप्रीम कोर्ट में अपने वकीलों से पैरवी कराई। जिसके कारण आज यूथ फॉर इक्वेलिटी संगठन की याचिका खारिज हुई।

कार्टून कोना.....

प्रदेश में सत्ता-संगठन और प्रशासन में बड़े फैसले की आहट!

इंदौर। प्रदेश में लंबे समय बाद एक बार फिर सत्ता और संगठन में बड़े बदलाव की आहट सुनाई देने लगी है। अगले कुछ दिनों के भीतर शासन, प्रशासन और राजनीतिक क्षेत्र में बड़ा बदलाव होने के समीकरण बन रहे हैं। शासन स्तर पर कुछ मंत्रियों को नए विभाग मिल सकते हैं। जबकि आईएएस और आईपीएस अफसरों की तबादला सूची फिर तैयार है। जिसमें पुलिस अधिकारियों के भी बड़ी संख्या में तबादले होना है। खासबात यह है कि दोनों प्रमुख राजनीतिक दल भाजपा और कांग्रेस में भी बड़े निर्णय होना है।

मंत्रियों को नए विभाग, संगठन को मिलेगा नया चेहरा, अफसरों की फिर तबादला सूची तैयार

जिसमें भाजपा में प्रदेशाध्यक्ष का फैसला होना है। जबकि कांग्रेस में जिलाध्यक्षों से लेकर अन्य पदाधिकारियों के नाम तय होना है। हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की दो दिवसीय दिल्ली यात्रा हुई है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने दिल्ली में भाजपा के अलग-अलग नेताओं से औपचारिक एवं अनौपचारिक मुलाकातें की हैं। इन बैठकों को लेकर मप्र के राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों चर्चा का दौर जारी है। हालांकि सूत्र बताते हैं कि मुख्यमंत्री की दिल्ली यात्रा कई मायनों में महत्वपूर्ण है, लेकिन इस दौरान भाजपा अध्यक्ष की नियुक्ति और मंत्रियों के विभागों को लेकर शीर्ष नेतृत्व से चर्चा कई मायनों में अहम बताई जा रही है।

अफसरों के थोकबंद तबादलों की तैयारी-प्रदेश में पिछले दो महीने से लंबित पुलिस अधिकारियों की तबादला सूची को लेकर एक बार फिर अटकलें शुरू हो गई हैं। हालांकि अब प्रशासनिक अधिकारियों के भी तबादले होना है। निकट भविष्य में होने वाले तबादलों में सबसे ज्यादा प्रभावित पुलिस अधीक्षक होंगे। जबकि भोपाल इंदौर में पदस्थ आईपीएस अधिकारी भी प्रभावित हो सकते है। इसी तरह पुलिस मुख्यालय में भी वरिष्ठ अधिकारियों का बदलाव होना है।

वहीं जिलाधीशों के तबादलों को लेकर एक बार फिर शासन स्तर पर चर्चा हो चुकी है। जिसमें शासन स्तर पर सचिव एवं प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारियों के तबादले हो सकते है। इसके अलावा आधा दर्जन करीब जिलाधीशों के भी हटने की संभावना है। जिसमें से ग्वालियर चंबल के करीब 4 या पांच जिले प्रभावित हो सकते हैं।

भाजपा संगठन को लेकर बड़ा फैसला कभी भी-भाजपा में संगठन चुनाव की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, जिसं प्रदेशाध्यक्ष का निर्णय होना है।

बताया गया कि दिल्ली के दखल की वजह से 15 जनवरी तक होने वाली प्रदेशाध्यक्ष की नियुक्ति अप्रैल तक टल गई है। हालांकि मप्र भाजपा अध्यक्ष को लेकर दिल्ली में सहमति लगभग बन चुकी है। अगले कुछ दिनों के भीतर ही इस पर निर्णय हो सकता है। प्रदेशाध्यक्ष की नियुक्ति के साथ ही भाजपा संगठन में अन्य के दायित्व भी बदलेंगे। यह कवायद इसी महीने में होने की संभावना है।

कांग्रेस में भी संगठनात्तक बदलाव के हालात-इधर प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस में भी बड़े बदलाव के हालात हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस की 8 एवं 9 अप्रैल को गुजरात में होने जा रही बैठक के बाद मप्र कांग्रेस में जिलाध्यक्षों के लंबित प्रस्ताव पर फैसला होगा। दो महीने विवाद के चलते प्रवक्ताओं की सूची पर रोक लगा दी गई थी। इस महीने उस पर भी निर्णय हो सकता है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए दैनिक भास्कर प्रेस 4/54 प्रेस कॉम्प्लेक्स एबी रोड इंदौर मध्यप्रदेश
इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com